



04 - हरियाणा की जीत का असर दूर तक दिखेगा



05 - समुद्र में डूबते देश की अर्थव्यवस्था का आधार

A Daily News Magazine

मोपाल

सोमवार, 14 अक्टूबर, 2024



मोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-46 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रु.- 2 (डाक पंजीयन संख्या: म.प्र./मोपाल/4-391/2018-20)



06 - लखी चौक से चल समारोह निकलने के बाद प्रशासन- पुलिस ने ली राहत की सांस



07- बुद्धिमान धैर्य पूर्वक कथनों का अर्थ ढूँढकर भगवान की सेवा का...



subahsaverenews@gmail.com



facebook.com/subahsaverenews



www.subahsaverenews



twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

सुनो, बसंती हील उतारो
अपने मन की कील उतारो
नंगे पैर चलो धरती पर
बंजर पथ पर झील उतारो
जिनको तुम नाटी लगती हो
उनकी आँखें रोंगग्रस्त हैं
उन्हें ज़रूरत है इलाज की
खुद अपने से लोग ग्रस्त हैं
सच कहती हूँ सुनो साँवली
तुमसे ही तो रंग मिले सब
जब ऊँचे स्वर में हँसती हो
मानो सूखे फूल खिले सब
बिखरे बाल बनाती हो जब
पिन को आड़ा तिरछा करके
आस पास की सब चीजों को
रख देती हो अच्छा करके
मुझे नहीं मालूम बसंती
उक्त जगत का कौन नियंता
पर तुमको अर्पित यह उपमा
‘स्वयं सिद्ध घोषित अभियंता’
तुमने स्वयं गढ़े जो रूपक
शब्द नहीं वो आलंबन है
अर्थों के मस्तक पे बढ़कर
अक्षर कर लेते चुम्बन हैं
जिसको नीची लगती हो तुम
उसकी सोच बहुत नीची है
सुनो बसंती हील उतारो
अपने मन की कील उतारो...।

— आकृति विज्ञा ‘अर्पण’

भारत के चीफ जस्टिस डी.वाई.चंद्रचूड़ की चिंता का तर्कशास्त्र?

एन.के. सिंह

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ एक माह बाद रिटायर हो रहे हैं। भूटान के एक लॉ कॉलेज के 'दीक्षा-समारोह' में बोलते हुए उन्होंने कहा कि उनकी चिंता है कि इतिहास उनके योगदान को कैसे आंकेंगा। 'मैंने पूरी निष्ठा से देश की सेवा की है। मुझे इस बात की उत्सुकता है कि इतिहास मेरे कार्यकाल का मूल्यांकन कैसे करेगा। मैं दो साल तक देश की सेवा करने के बाद इस नवम्बर में सीजेआई के रूप में पद छोड़ूंगा। मेरा मन भविष्य और अतीत के बारे में आशंकाओं से घिरा है। मैं सोचता हूँ कि क्या मैंने सब पा लिया जिसे पाने का लक्ष्य रखा था? इतिहास मेरे कार्यकाल का मूल्यांकन कैसे करेगा? क्या मैं कुछ अलग कर सकता था? मैं जजों और भावी पीढ़ी के कानूनी पेशवरों के लिए क्या विरासत छोड़ूंगा। इनमें से ज्यादा प्रश्नों के उत्तर मेरे नियंत्रण से बाहर हैं। शायद मुझे कुछ सवालों के जवाब कभी नहीं मिलेंगे।'

व्यक्तिगत चिंता को तार्किक और संस्थागत आयाम देते हुए सीजेआई ने कहा कि जब कोर्ट ने तत्कालीन सरकार द्वारा 2जी स्पेक्ट्रम और कोयला के गैर-कानूनी आबंटन को रद्द किया या जब एनडीए सरकार (मोदी-1 काल) द्वारा बनाये नेशनल जूडिशल कमीशन कानून को असंवैधानिक ठहराया तो कार्यपालिका के लोगों ने न्यायपालिका पर 'बगैर चुनौती और बगैर जवाबदेह संस्था का आतंक' का आरोप लगाया। लेकिन वे यह भूल जाते हैं कि जन-विश्वास का सिद्धांत न्यायपालिका पर कुछ

अलग ढंग से अर्पण होता है, जहां जवाबदेही जन-प्रतिनिधियों की जवाबदेही से अलग होती है।

जस्टिस चंद्रचूड़ वर्तमान जूडिशल स्पेक्ट्रम में सबसे अधिक तार्किक और विद्वान माने जाते हैं, लेकिन उनके दोनों 'व्यक्तिगत और संस्थागत' आयाम पर दिए गए तर्क गलत हैं। अगर संस्था में इन-बिल्ट 'अलग किस्म की जवाबदेही' होती तो कलकत्ता हाईकोर्ट का जज पद पर रहते हुए अपने को भाजपा का न बताता और अगले दिन इस्तीफा दे कर भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ कर देश की संसद को 'पवित्र' न कर रहा होता। जन-विश्वास तब भी ध्वस्त हुआ जब अयोध्या राम मंदिर-बाबरी मस्जिद विवाद में भू-स्वामित्व के मूल प्रश्न पर फैसला देने की जगह एपसी ने समझौतावादी रुख अपना कर एक पक्ष को कहीं और जमीन लेने का सर्वसम्मत फैसला दिया।

जन-विश्वास का सिद्धांत अलग ढंग से अमल में होता तो इस फैसले के बाद तत्कालीन सीजेआई पद छोड़ने के बाद राज्यसभा की सदस्यता से न नवाजे गए होते, ना ही एक अन्य जज राज्यपाल बनाये गए होते। भारतीय 'जन' की तर्क-शक्ति और समझ को राजनीतिक वर्ग कम आंकता है, क्योंकि वह उसे भावना में डुबो कर कुछ समय तक भ्रमित कर सकता है लेकिन वर्तमान सीजेआई यह भूल न करें। इसी कोर्ट के पद पर रहते हुए एक जज ने प्रधानमंत्री के साथ मंच शेर करके हुए अपने भाषण में कहा था कि उसे फरख है 'पीएम के साथ बैठने में'। उसके लिए एक संस्था के चेयरमैन का पद महीनों खाली रखा गया और फिर कानून बदल कर उस पद पर उसे

बैठाया गया। जन-विश्वास तब भी टूटा था।

यह अलग बात है कि वर्तमान सीजेआई ने सर्वसम्मत फैसले में अगर सबरीमाला केस में रजस्वला आयु (10-50 वर्ष) महिलाओं को मंदिर में जाना सही ठहराया तो वहीं अन्य चार जजों से अलग फैसला देते हुए अब्राहिम सिंह बनाम कोमाचेन केस में धर्म के आधार पर वोट मांगने को इसलिए सही ठहराया कि धर्मानुयाइयों की वास्तविक समस्या पर वोट मांगना गलत नहीं है। यह अलग बात है कि इसके बाद देश के एक राज्य का गैरवाधारी मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक भाषणों में कहना शुरू किया कि 'बंटेंगे तो कटेंगे'। सरकार द्वारा आधार को धन-विधेयक बना कर पारित करने के मामले में अन्य जजों से अलग फैसला देते हुए इसे असंवैधानिक करार देना भी सीजीआई को एक अलग मकाम पर रखता है। दिल्ली में एलजी को चुनी हुई सरकार की राय मानने की बाध्यता का फैसला भी इसी क्रम में रहा है।

सीजेआई के फैसलों के दो पहलू हैं। प्रगतिशील समाज-सुधार वाले फैसले क्रांतिकारी रहे हैं। सबरीमाला, समलैंगिकता, आरक्षण, परोक्ष भेदभाव के सिद्धांत के आधार पर सेना में महिलाओं की स्थिति बेहतर बनाना, निजता का अधिकार, हर्दिया केस में वयस्क के अधिकार बहाल करना और ताजा आरक्षण को मेरिट का ही विस्तार मानने का सिद्धांत प्रतिपादित करना और यह बताना कि एक परीक्षा पास करना ताउम्र मेरिट की तस्दीक नहीं होती और अगर कोई नीचे के वर्ग का व्यक्ति प्रेशाहेल्ड मार्क्स (योग्यता की निम्नतम शर्तों)

इस बार जनता को रुलाएगी दिल्ली की जहरीली हवा !

● सरकार ने कसी कमर, बनाया कृत्रिम बारिश का प्लान ● ठंड के साथ-साथ पराली और पटाखों से बढ़ेगा प्रदूषण

नई दिल्ली (एजेंसी)। जल्द ही दिल्ली की हवा खतरनाक स्तर तक खराब हो सकती है। ठंड बढ़ने के साथ साथ दिल्ली में एयर क्वालिटी इंडेक्स भी खतरनाक स्तर पर पहुंचने की आशंका है। वहीं पराली और दीवाली के दौरान जलाए जाने वाले पटाखों का धुआं दिल्ली में वायु प्रदूषण को और अधिक बढ़ाएगा। इस समस्या से निपटने के लिए दिल्ली सरकार कृत्रिम बारिश का सहारा लेना चाहती है। दिल्ली सरकार इसके लिए आईआईटी के एक्सपर्ट्स की मदद लेगी। दिल्ली सरकार ने इस संबंध में केंद्र सरकार से निवेदन किया है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने रविवार को इस संदर्भ में



जानकारी देते हुए बताया कि हवा में मौजूद कणों के प्रदूषण को, वाहनों से होने वाले प्रदूषण को, बायोमास बर्निंग के प्रदूषण को-कंट्रोल करने में बारिश का एक अहम रोल है।

धुएँ से प्रदूषण बढ़ता है, दीवाली में पटाखों से प्रदूषण बढ़ता है। ऐसे में प्रदूषण के कण नीचे की ओर आते हैं। गोपाल राय के मुताबिक ऐसी आपातकालीन स्थिति में इस प्रदूषण को कम करने के लिए कृत्रिम वर्षा एक कारगर उपाय है। राय का कहना है कि इस विषय पर उन्होंने एक महीना पहले केंद्रीय पर्यावरण मंत्री को एक पत्र लिखा था। इसमें उन्होंने कहा था कि आईआईटी कानपुर समेत सभी विशेषज्ञों की एक मीटिंग बुलाई जानी चाहिए। हालांकि इस पत्र का अभी तक कोई जवाब नहीं आया है। इसके बाद अब 10 अक्टूबर को दिल्ली सरकार ने फिर से केंद्रीय पर्यावरण मंत्री को इस संदर्भ में पत्र भेजा है।

भारत ने कनाडा से मांगे निज्जर की हत्या के सबूत

● टूटो सरकार से कहा-खालिस्तानियों पर वेंयों नहीं लेते ऐवशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। खालिस्तानी आतंकी निज्जर की हत्या के बाद कनाडा के साथ चल रहे तनाव के बीच भारत ने जस्टिन टूडो की सरकार को कड़ा संदेश दिया है। भारत ने कनाडा से कहा है कि प्रधानमंत्री टूडो इस तरह से बेबुनियाद आरोप मोदी सरकार पर नहीं लगा सकते। उन्हें निज्जर की हत्या से संबंधित पुख्ता सबूत पेश करने होंगे। भारत ने कहा है कि राजनीतिक लाभ के लिए वह अपनी जांच एजेंसियों को आदेश देना बंद करें। भारत ने टूडो सरकार के शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों से कहा है कि कनाडा के प्रधानमंत्री के आरोपों और जांच एजेंसी आरसीएमपी की अब तक की रिपोर्ट में बहुत भिन्नता है। ऐसे में उन्हें अपने राजनीतिक लाभ के लिए एजेंसी का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। बता दें कि 11 अक्टूबर को आसियान सम्मेलन से इतर भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जस्टिन टूडो की मुलाकात हुई थी। टूडो ने अपनी मीडिया को बताया था कि उनकी प्रधानमंत्री मोदी से बात हुई। वहीं इस मुलाकात में दोनों ने हाथ तक नहीं मिलाया था। बता दें कि 18 जून 2023 को निज्जर की हत्या के बाद से दोनों देशों के संबंध काफी तनावपूर्ण हैं। जस्टिन टूडो कई बार भारत पर निराधार आरोप लगा चुके हैं।



इंटरनेशनल होगी मोदी सरकार की पीएम गति शक्ति योजना

नेपाल और श्रीलंका जैसे देश अपनाते पर कर रहे भारत से चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपनी परियोजनाओं की लागत और समय की बचत के लिए नेपाल और श्रीलंका भारत से पीएम गति शक्ति योजना को अपनाने पर चर्चा कर रहे हैं। भारत के उद्योग सचिव अमरदीप सिंह भाटिया ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन देशों के प्रस्तावों पर विचार किया जा रहा है। जहां नेपाल की जरूरतें खास परियोजनाओं को लेकर हैं, तो वहीं श्रीलंका अपने पूरे सिस्टम में पीएम गति शक्ति योजना को लागू करने का इच्छुक है। उन्होंने कहा कि इस प्रणाली ने तीन साल पहले इसके शुभारंभ के बाद से अब तक 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री गति शक्ति भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना है, जिसका उद्देश्य देश में बुनियादी ढांचे के विकास को तेज गति देना है। इसे 13 अक्टूबर 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया था। इस योजना का मुख्य उद्देश्य विभिन्न मंत्रालयों और सरकारों



एजेंसियों के बीच समन्वय को बेहतर बनाना और परियोजनाओं के समयबद्ध तरीके से क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना है। उद्योग एवं औद्योगिक व्यापार संवर्धन विभाग के सचिव अमरदीप भाटिया के अनुसार, भारत अपने पड़ोसी देशों को उनकी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की बेहतर योजना बनाने में मदद करने के लिए तैयार है। पीएम गति शक्ति योजना का उद्देश्य देश में बेहतर सड़क, रेल, बंदरगाह, हवाई अड्डों और अन्य बुनियादी ढांचों का विकास कर आर्थिक सुधार को प्रोत्साहित करना है। इससे भारत को वैश्विक स्तर पर एक मजबूत लॉजिस्टिक्स हब के रूप में स्थापित करने की उम्मीद की जा रही है। केंद्र और राज्यों की बड़ी परियोजनाओं के बाद, भारत सरकार अब इस टूल का इस्तेमाल जिलास्तर पर भी परियोजनाओं की योजना बनाने के लिए कर रही है।

सिंहस्थ के माध्यम से भारत दुनिया का करेगा नेतृत्व

प्रदेश को रोजगारपरक बनाने के साथ विकास के हर आयाम को तय कर रही है सरकार: मुख्यमंत्री

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार प्रदेश को रोजगारपरक प्रदेश बनाने के साथ ही विकास के हर आयाम को तय कर रही है। प्रदेश की भौतिक सम्पदाओं का सदुपयोग कर आर्थिक रूप से सम्पन्न मध्यप्रदेश बनायेंगे। उन्होंने कहा कि उज्जैन में 350 करोड़ रुपये की लागत से प्रतिभा स्वराज इकाई का आज शुभारम्भ किया गया है, जिससे 5 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। उज्जैन के बेस्ट इंटरप्राइजेस और प्रतिभा स्वराज की इकाइयों से लगभग 13 हजार लोगों को रोजगार उपलब्ध होगा। इसी प्रकार उज्जैन में अन्य औद्योगिक इकाई के माध्यम से 50 हजार बेरोजगार लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री डॉ.यादव आज उज्जैन के कार्तिक मेला ग्राउंड में दशहरा मिलन उत्सव एवं 658 करोड़ की 16 सड़क परियोजनाओं के भूमि-पूजन कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह, उज्जैन



के प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल, सांसद श्री अनिल फिरोजिया, राज्यसभा सांसद बाल योगी, श्री उमेशनाथ जी महाराज, पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. सत्यनारायण जटिया, विधायक श्री अनिल जैन कालुहेड़ा, श्री सतीश मालवीय, श्री तेजबहादुर सिंह चौहान, श्री जितेंद्र पंड्या, महारथी श्री मुकेश टटवाल, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव, श्री बहादुर सिंह बोमोड्डला, श्री विवेक जोशी सहित

जन-प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में जन-समुदाय उपस्थित रहा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सनातन धर्म की सभी सन्यासी परम्पराओं के सभी वैष्णव और शैव संत 12 साल में सिंहस्थ में आते हैं और भविष्य में सनातन धर्म की दिशा, आचरण, स्वरूप तय करते हैं। मानवता की स्थापना के लिये सर्वोच्च सिंहस्थ मेला आयोजित किया जायेगा। सिंहस्थ के माध्यम से भारत दुनिया का नेतृत्व करेगा।

विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है मध्यप्रदेश: लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह

लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मार्गदर्शन में लोक निर्माण विभाग 'लोक निर्माण से लोक कल्याण' के ध्येय वाक्य के साथ विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। विकास कार्यों से उज्जैन बेहतर सड़कों के साथ सामाजिक और आर्थिक ऊंचाइयों पर भी पहुंचेगा। विकास का 'मोहन मॉडल' प्रदेश की उन्नति के साथ जन-कल्याण के मार्ग भी खोल रहा है। प्रदेश में विकास और जन-कल्याण के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि उज्जैन धार्मिक नगरी के साथ अंतरराष्ट्रीय पर्यटन केंद्र के रूप में भी स्थापित होगा। उन्होंने बताया कि लोक निर्माण विभाग द्वारा लोकपथ एप का संचालन किया जा रहा है, जिसमें अब सड़कों के क्षतिग्रस्त होने संबंधी प्राप्त शिकायतों का 7 दिन के अंदर संबंधित क्षेत्र के विभागीय अधिकारी द्वारा निराकरण किया जाएगा। मुझे बताते हुए खुशी है कि 3 से 4 महीने के अंदर अभी तक प्राप्त शिकायतों में से 95 प्रतिशत से अधिक का निराकरण किया जा चुका है। कार्यक्रम में विधायक श्री अनिल जैन कालुहेड़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा उज्जैन को 658 करोड़ से अधिक की राशि की सौगातें आज दी गई हैं, जो उज्जैन के विकास में मील का पत्थर साबित होगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कार्तिक मेला ग्राउंड उज्जैन में रविवार को आयोजित कार्यक्रम में लोक निर्माण से लोक कल्याण के उद्देश्य से उज्जैन में 658 करोड़ से अधिक के विकास एवं निर्माण कार्यों का भूमि-पूजन किया।

तमिलनाडु रेल हादसा

इंटरलॉकिंग सिस्टम में खामी की आशंका



एक्सपर्ट बोले-इस खामी के बारे में रेलवे में सब जानते हैं, कोई स्वीकार नहीं करता

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में कवरपेटर्ड स्टेशन पर यात्री ट्रेन की मालगाड़ी से टक्कर मामले में रेलवे ने जांच का आदेश दिया है। रेलवे सुरक्षा के एक अधिकारी ने शनिवार को दुर्घटनास्थल का निरीक्षण किया। वहीं, विशेषज्ञों ने इसे बालासोर-2 बताते हुए इंटरलॉकिंग प्रोसेस में खराबी से हादसे की आशंका जताई है। उत्तर रेलवे में

मुख्य सिग्नल एंड कम्युनिकेशन इंजीनियर के पद से रिटायर हुए केपी आर्य ने कहा, 'ट्रेन इंटरलॉकिंग पॉइंट पर पटरी से उतर गई। यह इंटरलॉकिंग प्रोसेस में इंजीनियरिंग की खामी है, जिसके बारे में रेलवे में सभी जानते हैं, पर कोई आधिकारिक रूप से स्वीकार नहीं करता।' वहीं, इंडियन रेलवे लोको रनिंगमैन ऑर्गनाइजेशन के कार्यकारी



अध्यक्ष संजय पांथी कहा, 'बालासोर में सिग्नल मरम्मत का काम खत्म होने के तुरंत बाद टक्कर हुई थी। यहां ऐसा कुछ नहीं हुआ था।' उन्होंने कहा, 'ऐसा लगता है कि ट्रैक के कुछ जंग लगने के कारण सिग्नल और इंटरलॉकिंग का कनेक्शन टूट गया होगा।' दक्षिण रेलवे के ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टॉफ एसोसिएशन के अध्यक्ष आर. कुमारसेन ने भी कहा, 'सिग्नलिंग प्रोसेस में आ रही खामियों को दूर करना चाहिए।'

संक्षिप्त समाचार

सोनिया गांधी ने बहाए थे आतंकियों के लिए आंसू

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के उस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया मिली है जिसमें उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को आतंकवादी पार्टी कहकर संबोधित किया था। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कांग्रेस की अगुवाई वाली यूपीए सरकार के दौरान के आतंकी घटनाओं को जिक्र करते हुए कांग्रेस पर आतंकवाद के दोषियों के प्रति नरम रुख अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने आतंकवादी अफजल गुरु के



प्रति नरम रहने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस पर हमला किया और कहा कि सोनिया गांधी ने बटला हाउस मुठभेड़ में मारे गए आतंकवादियों के प्रति सहानुभूति व्यक्त की थी। जोशी ने सोशल मीडिया पर अपने विचार साझा करते हुए कहा, मल्लिकार्जुन खरगे ने गलती से भाजपा को आतंकवादी पार्टी कह दिया। वह यह सोनिया गांधी ही थी जिन्होंने बटला हाउस में मारे गए आतंकवादियों के लिए आंसू बहाए थे। यह कांग्रेस ही थी जो अफजल गुरु के प्रति नरम थी। यह कांग्रेस ही थी जिसने 2004 में पोटो को निरस्त किया था।

कन्नड़ जाने बिना कर्नाटक में नहीं रह सकते

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक सरकार ने 1 नवंबर को राज्य स्थापना दिवस पर कन्नड़ झंडा फहराना अनिवार्य कर दिया है। राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि राज्य के स्थापना दिवस पर बेंगलुरु में सूचना प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र समेत सभी शिक्षण संस्थाओं, व्यापारिक प्रतिष्ठानों और कारखानों में कन्नड़ ध्वज जरूर फहराया जाए। उन्होंने कहा कि शहर और बेंगलुरु शहरी जिले में रहने वाले लगभग 50 प्रतिशत लोग अन्य राज्यों से हैं। उन्हें भी कन्नड़ सीखने को प्रार्थमिकता देनी चाहिए। शिवकुमार ने कहा, 'हम मैसूर राज्य का नाम बदलकर कर्नाटक



किए जाने के 50 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। 1 नवंबर कन्नड़ लोगों के लिए उत्सव का दिन है। बेंगलुरु के प्रभारी मंत्री के तौर पर मैंने एक नया कार्यक्रम तैयार किया है, जिसके तहत सभी स्कूलों और कॉलेजों, कारखानों, आईटी-बीटी क्षेत्र सहित व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में अनिवार्य रूप से कन्नड़ ध्वज फहराया जाना चाहिए।' उन्होंने बताया कि इस संबंध में आदेश जारी किया जाएगा। अनौपचारिक लेकिन व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त पीले व लाल 'कन्नड़ ध्वज' को 1960 के दशक में वीर सेनानी मा राममूर्ति ने डिजाइन किया था। शिवकुमार ने कहा, 'राज्योत्सव का सरकारी समारोह एक स्थान पर आयोजित किया जाएगा, लेकिन निजी और सरकारी शैक्षणिक संस्थानों में भी अनिवार्य रूप से समारोह आयोजित किए जाने चाहिए।' शिवकुमार ने कहा कि हर किसी को यह महसूस करना चाहिए कि कर्नाटक में कन्नड़ जाने बिना नहीं रहा जा सकता।

यूएन चीफ की एंट्री पर इजरायल ने लगाया बैन

- विरोध में उतरे 104 देश,भारत ने खुद को रखा दूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान ने 1 अक्टूबर को इजरायल पर मिसाइल से हमला किया था। इसके बाद 2 अक्टूबर को इजरायल ने बड़ा फैसला लिया और संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को इजरायली क्षेत्र में प्रवेश करने पर प्रतिबंध लगा दिया। दुनिया के कई देशों ने इजरायल के इस कदम की निंदा की। कई यूरोपीय और अफ्रीकी देशों ने भी इजरायल



के इस कदम की निंदा की। 104 देशों ने एक पत्र के माध्यम से संयुक्त राष्ट्र महासचिव को इजरायली क्षेत्र में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने के लिए इजरायल की निंदा की। अहम बात यह है कि भारत ने इस पत्र पर अपने हस्ताक्षर नहीं किए। भारत ने करीब चार ऐसे प्रमुख

प्रस्ताव में भाग नहीं लिया, जो फिलिस्तीन के मुद्दों से जुड़े हुए थे। चिली ने इस पत्र को सबसे पहले पेश किया। इसका समर्थन ब्राजील, कोलंबिया, अफ्रीका, युगांडा, इंडोनेशिया, स्पेन, गुयाना और मेक्सिको ने भी किया। सभी ने कहा कि हम संयुक्त राष्ट्र महासचिव और संयुक्त राष्ट्र को रक्षा के रूप में देखते हैं, ना कि किसी संघर्ष की पक्ष के रक्षा के रूप में। हम महासचिव और उनके काम में पूर्ण समर्थन व्यक्त करते हैं।

जरूरत पड़ने पर पूरी ताकत से होगा हथियारों का इस्तेमाल

राजनाथ सिंह की दो टूक, बोले-किसी भी तरह का संकोच नहीं करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देश की सुरक्षा को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत ने कभी किसी देश पर घुणा या द्वेष के कारण आक्रमण नहीं किया, लेकिन अगर इसके हितों को खतरा हुआ तो हम बड़ा कदम उठाने में संकोच नहीं करेंगे। विजयादशमी के अवसर पर सिंह ने पश्चिम बंगाल के सुकना सैन्य स्टेशन पर शस्त्र पूजा की। उन्होंने कहा कि यह अनुष्ठान एक स्पष्ट संकेत है कि अगर आवश्यकता हुई तो हथियारों व उपकरणों का पूरी ताकत से उपयोग किया जाएगा। सुकना



उसे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करता है। जब धर्म, सत्य और मानवीय मूल्यों के विरुद्ध युद्ध छेड़ा जाता है, यही हमें विरासत में मिला है। हम इस विरासत को संरक्षित रखेंगे।

मणिपुर में जातीय हिंसा के बाद बढ़ी 'जबरन' वसूली सरकार ने एंटी एक्सटॉर्शन सेल का गठन किया,आरोपियों के खिलाफ ऐक्शन लेगी

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर में जातीय हिंसा 3 मई 2023 को शुरू हुई थी। इसके 16 महीने बीत चुके हैं। इस दौरान राज्य में जबरन वसूली की घटनाएं बढ़ी हैं। कई गाँव-गिरोंह हैं जो जबरन वसूली करके अंडरग्राउंड हो जाते हैं। अब इनसे निपटने के लिए मणिपुर पुलिस ने स्पेशल सेल एंटी एक्सटॉर्शन सेल का गठन किया है। सीबीआई इंटेलीजेंस के कबीब ने कहा- राज्य से निकले नेशनल हाइवे से गुजरने वालों ट्रकों से अवैध टैक्स वसूला जा रहा है। डोनेशन के नाम पर व्यापारियों, एजुकेशन इंस्टीट्यूट और आम लोगों को परेशान किया जा रहा है। उनसे जबरन वसूली की जा रही है। इसका असर इकोनॉमिक एक्टिविटी पर भी दिख रहा है। उन्होंने कहा कि पुलिस जबरन वसूली करने

वालों के खिलाफ सख्त एक्शन ले रही है। कई अंडरग्राउंड गैंग और गिरोंह किडनीपिंग, ग्रेनेड अटैक और फोन पर



धमकी देने के मामलों में शामिल हैं। इन एक्टिविटी के जवाब में पुलिस ने डीसीपी (लॉ एंड ऑर्डर) की लीडरशिप में एंटी एक्सटॉर्शन सेल

बनाई है। इसमें सभी जोन के एसआईटी सदस्य हैं। 15 क्लैक टीमें, 16 पुलिस-सीआरपीएफ की कंपनियां

तैनात कबीब ने कहा- एंटी एक्सटॉर्शन सेल पूरे राज्य में हो रही जबरन वसूली विरोधी कैपेन मॉनिटरिंग और सुपरविजन करेगी।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने सोशल मीडिया पर की पोस्ट

सलमान और दाऊद की मदद करने वालों को छोड़ेंगे नहीं

- बाबा सिद्दीकी की हत्या की ली जिम्मेदारी
- उत्तरप्रदेश-हरियाणा के थूटर्स से गोलियां चलाई,सलमान की मदद करने वालों को धमकी दी



मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में एनसीपी (अजित गुट) के नेता बाबा सिद्दीकी की शनिवार रात गोली मारकर हत्या कर दी गई। सिद्दीकी इसी साल फरवरी में कांग्रेस छोड़कर अजित पवार के साथ आए थे। हत्या के 28 घंटे बाद लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने सोशल मीडिया पोस्ट कर हत्या की जिम्मेदारी ली। लिखा, सलमान खान और दाऊद



की मदद करने वालों को छोड़ेंगे नहीं। इस पोस्ट में लॉरेंस बिश्नोई ग्रुप और अनमोल बिश्नोई को हैशटैग किया गया है। लॉरेंस अभी गुजरात की साबरमती जेल में बंद हैं। उसने 14 अप्रैल को सलमान के घर के बाहर फायरिंग कराई थी। जेल में लॉरेंस से पूछताछ कराई जाएगी। सलमान खान

की सिक्वोरिटी भी बढ़ा दी गई है। हरियाणा और यूपी के थूटर्स ने हत्या की। 3 थूटर्स में से 2 को पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है। एक फरार है। एक थूटर हरियाणा और 2 उत्तर प्रदेश के बहराइच के रहने वाले हैं। ये 40 दिन से मुंबई में ही ठहरे थे और सिद्दीकी के घर और बेटे के ऑफिस की रेकी कर रहे थे। सिद्दीकी को वाय-सिक्वोरिटी मिली थी, लेकिन घटना के वक्त उनके साथ कोई कॉन्स्टेबल नहीं था। स्ट्रीट लाइट्स और सीसीटीवी भी बंद थे। बांद्रा के खेर नगर में शनिवार रात करीब 9.30 बजे विधायक बेटे जीशान के ऑफिस के बाहर 3 बदमाशों ने फायरिंग की थी।

बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद सलमान की सुरक्षा बढ़ी

मुंबई (एजेंसी)। एनसीपी अजित पवार गुट के नेता और महाराष्ट्र सरकार के पूर्व मंत्री रहे बाबा सिद्दीकी की शनिवार रात गोली मारकर हत्या कर दी गई। इसकी जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग ने ली है। सिद्दीकी के करीबी सलमान खान की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। राजनीति में दिलचस्पी ना रखने वाले लोग बाबा सिद्दीकी को उनकी इफ्तार पार्टियों के लिए जानते थे। सालाना रमजान के मौके पर मुंबई में होने वाली इस पार्टी में बॉलीवुड सेलेब्स की भीड़ रहती थी। ये बात कम लोग ही जानते हैं कि यही पार्टी शाहरुख खान और सलमान खान का सालों पुराना झगड़ा खत्म होने की वजह रही थी। हर साल की तरह साल 2013 में भी सिद्दीकी ने इफ्तार पार्टी का आयोजन किया था।



कोलकाता में एक और डॉक्टर की हालत गंभीर

भूख हड़ताल से कुल 3 डॉक्टर अस्पताल में भर्ती

कोलाकाता (एजेंसी)। कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर के विरोध में 6 अक्टूबर से अनशन पर बैठे ट्रेनी डॉक्टरों में से 1 और डॉक्टर की हालत क्रिटिकल हो गई है। हड़ताल पर बैठे डॉक्टरों ने बताया कि उनके साथी डॉ. अनुस्तुप मुखर्जी को शनिवार रात को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया है। प्रोटेस्ट कर रहे एक डॉक्टर ने बताया कि मुखर्जी के स्टूल से खून आ रहा था। उन्हें पेट में तेज दर्द की भी शिकायत थी। 3 डॉक्टरों की हालत बिगड़ने के लिए राज्य सरकार जिम्मेदार है, क्योंकि सरकार हमारी सभी मांगों नहीं मान रही है। इससे पहले शनिवार शाम को नॉर्थ बंगाल मेडिकल कॉलेज में भूख हड़ताल पर बैठे डॉक्टर आलोक वर्मा की हालत बिगड़ी थी, जिसके

बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहीं, 10 अक्टूबर को ट्रेनी डॉक्टर अनिकेत महतो को आरजी कर अस्पताल के आईसीयू



में भर्ती कराया गया था। दरअसल, आरजी कर अस्पताल में 8 अगस्त की रात ट्रेनी डॉक्टर का रेप और मर्डर किया गया था। 9 अगस्त को बॉडी कॉलेज में मिली थी।

ईरान के सैन्य ठिकानों पर हमला कर सकता है इजराइल

- ईरान ने भी धमकाया,अरब देशों से कहा-हम पलटवार करेंगे



तेहरान (एजेंसी)। ईरान ने हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह की मौत का बदला लेने के लिए 1 अक्टूबर को इजराइल पर 200 मिसाइलें दागी थीं। अमेरिका को शक है कि इसका बदला लेने के लिए इजराइल अब ईरान के सैन्य ठिकानों को निशाना बना सकता है। अमेरिकी मीडिया हाउस ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से ये जानकारी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका को नहीं लगता कि इजराइल पलटवार में ईरान के न्यूक्लियर ठिकानों को निशाना बनाएगा। हालांकि, ईरान के एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर अटैक की आशंका भी जताई गई है। वहीं, ईरान ने अमेरिका और मिडिल ईस्ट के कुछ देशों को कहा है कि अगर इजराइल ने हमला किया तो वे जवाब जरूर देंगे। ईरान से तनातनी के बीच नेतन्याहू आज फिर से कैबिनेट की मीटिंग करेंगे। इसमें ये चर्चा की जाएगी कि हमले पर पलटवार कैसे करें।

सोते समय सांप ने पकड़ी अंगुली, मरोड़कर मार डाला

सांप को मारकर ड्राइवर दोबारा सो गया; पत्नी अस्पताल लेकर पहुंची, मौत



रहते थे। एक प्राइवेट स्कूल की बस चलाते थे। परिजन पहले उन्हें जेपी अस्पताल ले गए। यहां से हमीदिया रेफर कर दिया गया था। शव का पीएम कराया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

दोस्त बोले- सांप को मारकर सो गए थे

मृतक के दोस्त चंदन नायक ने बताया कि सांप काटने के बाद प्रेम कुमार की अंगुली में चिपका रहा। वे चिल्लाते हुए उठे और सांप से अंगुली को छुड़ाना चाह। सांप कसकर अंगुली पकड़े हुआ था, तब उन्होंने सांप को पकड़कर मरोड़कर मार डाला। इसके बाद दोबारा सो गए। इस बीच उनकी पत्नी की नींद खुल चुकी थी। वे शोर मचाते हुए मदद के लिए पड़ोसियों के घर पहुंचीं। पड़ोसियों की मदद से पति को अस्पताल लेकर पहुंची थीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गायक और अभिनेता स्व. किशोर कुमार को किया नमन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश में जन्मे महान गायक और अभिनेता किशोर कुमार की पुण्यतिथि 13 अक्टूबर पर उन्हें नमन किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्री किशोर कुमार मध्यप्रदेश के रत्न थे। उन्होंने सुविख्यात गायक और अभिनेता के रूप में विशेष पहचान बनाई। मुख्यमंत्री ने स्व. किशोर कुमार की पुण्यतिथि पर विभिन्न श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि आवाज के जादूगर, किशोर जी ने विविध भारतीय भाषाओं में गीत गाकर गीत-संगीत के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए। स्व. किशोर जी के सुरिले गीत सदैव उनका स्मरण करवाते रहेंगे।

भोपाल में नवविवाहिता ने फांसी लगाई, मौत

पति से विवाद के बाद किया सुसाइड, डेढ़ साल पहले हुई थी शादी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के अशोका गार्डन में स्थित वर्धमान ग्रीन पार्क कॉलोनी में रहने वाली नवविवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुसाइड नोट नहीं मिलने से खुदकुशी के सही कारणों का खुलासा नहीं हो सका है।

परिजन ने पुलिस को बताया कि पति से विवाद के बाद महिला ने आत्महत्या की है। महिला को डेढ़ साल पहले ही शादी हुई थी। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। रविवार की दोपहर को पीएम के बाद पुलिस ने शव परिजन के हवाले कर दिया है।

एसआई एसएस वर्मा ने बताया कि खुशबू माकोड़े (23) पत्नी भानुप्रताप माकोड़े मूल रूप से बैतूल की रहने वाली थी। डेढ़ साल पहले उसकी शादी हुई है। शादी के बाद पति के साथ भोपाल में रहने आई, यहां पति और पत्नी वर्धमान ग्रीन पार्क कॉलोनी में रहती थी। मृतका का पति मंडीदीप की एक फैक्ट्री में मैनेजर है। पति ने पुलिस को बताया कि मामूली बातों को लेकर उनके बीच शनिवार की रात को कहासुनी हुई थी।

कमरे को लॉक कर फांसी लगाई

इसके बाद पत्नी ने अपने कमरे को अंदर से लॉक कर फांसी लगा ली। किसी तरह से गेट को तोड़कर उसे फंसे से उतारा और हमीदिया अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

नहीं मिला सुसाइड नोट

एसआई ने बताया कि फिलहाल कमरे की तलाशी में सुसाइड नोट नहीं मिला है। एफएएसएल की टीम से एक बार फिर कमरे की सर्चिंग कराई जाएगी। परिजनों के डिटले बयानों को भी अभी दर्ज नहीं किया जा सका है। डिटेल बयानों में आत्महत्या के कारणों का खुलासा हो सकेगा। पति ने अभी विवाद किस बात पर हुआ, इस बात की जानकारी भी पुलिस को नहीं दी है।

ब्यूटीशियन से साथी ने की ज्यादती

लेक घुमाने के बहाने दोस्त के घर ले गया, दुष्कर्म कर शादी का झांसा दिया, एफआईआर

भोपाल (नप्र)। भोपाल के कोलार इलाके की एक 21 वर्षीय युवती के साथ शादी का झांसा देकर रेप करने का मामला सामने आया है। पीड़िता एक ब्यूटी पार्लर में ब्यूटीशियन के रूप में काम करती है, जहां उसकी दोस्ती एक युवक से हुई, जो उसी पार्लर में हेयर कटिंग का काम करता था। 2 साल पहले युवक ने पीड़िता को घुमाने के बहाने मिलने बुलाया। इसके बाद बरखेड़ी में रहने वाले एक दोस्त के घर उसे ले गया। यहां उसने पीड़िता के साथ जबर्न शारीरिक संबंध बनाए। बाद में आरोपी ने शादी करने का झांसा देकर लड़की को चुप कर दिया।

इसके बाद कई बार वह युवती से संबंध बनाता रहा। अब आरोपी ने शादी करने की बात से साफ इनकार कर दिया है। तब पीड़िता ने एफआईआर दर्ज कराई। एसएसआई शेपराम सहारे ने बताया कि 21 वर्षीय पीड़िता कोलार इलाके में रहती है। वह बिट्टल मार्केट की एक पार्लर में जॉब करती है। वहीं आरोपी युवक हेयर कटिंग का काम करता था। दोनों की वही दोस्ती हुई, 1 जनवरी 2022 को आरोपी ने न्यू ईयर के मौके पर लड़की को घुमाने का झांसा दिया।

लेक घुमाने के बाद दोस्त के कमरे पर ले गया

आरोपी युवक पीड़िता को शाहपुर इलाके में ले गया, जहां लेक किनारे घुमाने के बाद वह उसे बरखेड़ी में रहने वाले एक दोस्त के किराए के कमरे में ले गया। यहां उसने युवती के साथ जबर्न संबंध बनाए। लड़की ने विरोध किया तो आरोपी ने जल्द शादी करने का झांसा दिया।

दूसरी लड़की से कर ली शादी

आरोपी ने दो साल में कई बार युवती को अलग-अलग स्थानों पर ले जाकर संबंध बनाए। पीड़िता जब भी शादी की बात कहती तो जल्द शादी करने का भरोसा दिलाता। पिछले दिनों पीड़िता को जानकारी मिली की आरोपी दूसरी लड़की से शादी कर रहा है। पीड़िता ने उससे बात की तो आरोपी ने शादी करने की बात से साफ इनकार कर दिया। हर तरह का रिश्ता भी उससे तोड़ दिया। तब युवती ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

राजधाम

विजयादशमी पर कोलार में सबसे ऊंचे 105 फीट के रावण के पुतले का दहन

श्रीराम मंदिर की झांकी में पहुंचे सीएम डॉ.मोहन यादव ने की मां की आरती, प्रख्यात गायक अनूप जलोटा भी कार्यक्रम में शामिल हुए



भोपाल (नप्र)। भोपाल में विजयादशमी पर कोलार में सबसे ऊंचे 105 फीट के रावण के पुतले का दहन हुआ। बिट्टन मार्नेट, खेला, टीटी नगर, कलियासोत समेत 25 जगह बड़े आयोजन हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कोलार मार्ग, सलेया और खेला दशहरा मैदान में दशहरा उत्सव कार्यक्रमों में शामिल हुए।

इस वर्ष शस्त्र पूजन की परम्परा के निवर्हने में राज्य सरकार सहभागी हुई है: हमारी संस्कृति में शास्त्रों के साथ सदैव शस्त्रों की पूजा की गई है। हमारे शस्त्र कमजोर नहीं होने चाहिए। दशहरा उत्सव सत्य की विजय का प्रतीक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पर्व और त्यौहार में अंतर होता है। नवरात्रि पर्व, जन्माष्टमी पर्व और रामनवमी पर्व पर उपवास रखते हुए आराधना होती है। यह पर्व मंगल तिथियों के आधार पर आते हैं। त्यौहार उत्सव का प्रतीक हैं, जिसमें रूचि अनुसार आहार ग्रहण होता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शुभकामना और मंगलकामना में भी अंतर है। परीक्षा में सफलता, अच्छे यात्रा और मकान बनने पर शुभकामना दी जा सकती है। त्यौहारों पर मंगलकामनाएं और बधाई देना उचित होता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उपस्थित नागरिकों को विजयादशमी, आने वाले दीपावली और अन्य त्यौहारों के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया। अयोध्या में भगवान राम के मंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ। अनेक पीढ़ियां अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का स्वप्न देखते हुए चली गईं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समिति द्वारा निर्मित रावण के विशाल पुतले के आकल्पन की सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कोलार हिन्दू उत्सव समिति द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्पोर्ट्स काम्पलेक्स में आयोजित दशहरा उत्सव कार्यक्रम में पहुंचे। इस कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा भी उपस्थित थे। क्षेत्रीय विधायक श्री रामेश्वर शर्मा ने मुख्यमंत्री डॉ.यादव का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में खेल स्टेडियम और सिक्स लेन मार्ग की सौगात नागरिकों को मिली है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शीघ्र ही इन नई सुविधाओं का औपचारिक उद्घाटन करेंगे। श्री शर्मा ने कहा कि भगवान राम के आदर्श समाज के लिए आज भी उपयोगी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में भगवान श्रीराम के स्वरूप



की आराधना की। प्रख्यात गायक श्री अनूप जलोटा भी कार्यक्रम में उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री जलोटा को भगवान श्रीराम की प्रतिमा भेंट की। कार्यक्रम में श्री सुमित पचौरी, श्री राहुल कोठारी, श्री रवीन्द्र यति, श्री महेश मीणा, श्री जय नारायण चौकसे आदि उपस्थित थे।

सीएम बोले- विधायक से रावण भी सीधा हो गया- यहां हिंदू उत्सव समिति ने बंजारी दशहरा मैदान पर रावण दहन का आयोजन किया। रात 9.45 पर भोपाल के सबसे ऊंचे 105 फीट के रावण के पुतले का दहन किया गया। जयपुर और शिवाकाशी की आतिशबाजी हुई। समिति सचिव रवींद्र यती ने बताया कि यह आयोजन का 22वां साल था। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा, रामेश्वर शर्मा (विधायक) की अदा जानता हूं। इनसे रावण भी सीधा हो गया। इतना सीधा रावण पहली बार देखा है। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा भी शामिल हुए।

सलेया क्षेत्र में भी मनाया गया दशहरा उत्सव- मुख्यमंत्री डॉ. यादव हिन्दू धर्म उत्सव समिति, सलेया की ओर से आयोजित दशहरा उत्सव में भी उपस्थित हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीराम ऐसे आदर्श थे, जिन्होंने राज परिवार के सदस्यों के साथ अपनी प्रजा से संबंधों का पूर्ण निर्वहन किया। सनातनी

संस्कृति का यह सशक्त उदाहरण है। कार्यक्रम में विधायक श्री रामेश्वर शर्मा ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्वागत किया। भगवान श्रीराम, सीता जी और लक्ष्मण के स्वरूपों की आराधना की गई। कार्यक्रम में समिति के पदाधिकारी श्री राजेश पाटीदार, श्री अनिकेत पांडे आदि उपस्थित थे।

खेला दशहरा मैदान में मनाया गया दशहरा उत्सव- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल के इस सबसे पुराने दशहरा उत्सव के विविध रंग देखने को मिल रहे हैं। यहां अनेक आकर्षक झांकियां भी निकाली गई हैं। भगवान राम के दबार के लिए जिन कलाकारों ने अभिनय किया है, उनकी कला प्रशंसनीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समिति के पदाधिकारियों को उत्कृष्ट आयोजन के लिए बधाई दी और समिति को शासन की ओर से नियमित रूप से अनुदान राशि देने की घोषणा की।

आने वाले दो वर्ष में यहां खेड़पति हनुमान लोक आकार ले लेगा: **मंत्री सांरंग** - खेल एवं युवक कल्याण मंत्री श्री विश्वास सांरंग ने कहा कि दशहरा मैदान के खेड़पति, हनुमान मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया गया। आने वाले दो वर्ष में यहां खेड़पति हनुमान लोक आकार ले लेगा, जो प्रदेश के श्रद्धालुओं के लिए महत्वपूर्ण केंद्र होगा।

भोपाल में बिजली लाइन में झुलसे 4 युवक

दुर्गा पांडाल में माइक के वायर को सुधार रहे थे; एक गंभीर

भोपाल (नप्र)। भोपाल के करोंद नशातपुर स्थित रतन कॉलोनी में शुक्रवार-शनिवार की रात बड़ा हादसा हो गया। यहाँ दुर्गा पांडाल में माइक का वायर सुधार रहे 4 युवकों को करंट लग गया और वे झुलस गए। चारों दुर्गा उत्सव समिति के सदस्य हैं। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है।



जो युवक झुलसे हैं, उनमें माखन साहू (35), विपिन जाटव (17), दिनेश बिरजा (21) और रोहन जाटव (21) शामिल हैं। बताया जाता है कि दुर्गा पांडाल में नवमी के चलते देर रात तक धार्मिक कार्यक्रम चल रहे थे। इसी दौरान माइक का वायर खराब हो गया। जिसे सुधारने के लिए एक युवक पाइप के जरिए ऊपर चढ़ा था। यही से बिजली की हाईटेंशन लाइन गुजर रही थी। जिसकी चपेट में युवक आ गया और उसे उसे करंट लग गया। इसके बाद 3 अन्य युवक भी चपेट में आ गए।

फायर ब्रिगेड और बिजली कंपनी की टीम पहुंची

हादसे की खबर लगते ही फायर फाइटर पंकज यादव और बिजली कंपनी की टीम मौके पर पहुंची। इसके बाद इलाके में बिजली की सप्लाई बंद की गई। ताकि, कोई दूसरा तारों की चपेट में न आ जाए। फायर फाइटर यादव ने बताया, झुलसे युवकों को तुरंत हॉस्पिटल ले जाया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है।

भोपाल समेत 8 जिलों में बारिश शाजापुर में दिन में ही वाहनों की जलानी पड़ी हेडलाइट, छिंदवाड़ा में कई इलाकों में पानी भरा



भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के 46 जिलों से मानसून की विदाई हो चुकी है, लेकिन 2 सिस्टम फिर से एक्टिव हो गए हैं।

रविवार को भोपाल समेत 8 जिलों में बारिश हुई। छिंदवाड़ा में तेज बारिश के बाद कई इलाकों में पानी भर गया। शाजापुर में बिजली

गिरने से किसान की मौत हो गई। मौसम विभाग ने रविवार को इंदौर समेत 27 जिलों में बारिश का अनुमान बताया है। अगले 3 दिन तक प्रवेश के कई जिलों में हल्की बारिश और गरज-चमक के आसार हैं।

भोपाल में दोपहर में बूंदबांदी- भोपाल में दिनभर बादल छाए रहे। दोपहर में बूंदबांदी शुरू हो गई। छिंदवाड़ा में दोपहर से तेज पानी गिर रहा है, जिससे कई इलाकों में पानी भर गया है। रतलाम, धार, आगर मालवा, उज्जैन, गुना और शाजापुर में भी बारिश हुई। शाजापुर जिले के कालापीपल में बिजली गिरने से किसान की मौत हो गई।

10 साल में 6वीं बार दशहरे पर बारिश- अक्टूबर में जब भी दशहरा पड़ता है, तब बारिश के आसार बनते हैं। इस बार भी दशहरे पर मौसम बदला रहा। पिछले 10 साल में 6वीं बार दशहरे पर बारिश, गरज-चमक और आंधी चली। भोपाल में दशहरा पर 10 साल में 5 बार पानी गिरा है। हालांकि, इस बार सिर्फ हल्की बूंदबांदी ही हुई।

देखा पढ़ा

ब्रजेश कानूनगो

किंसी भी देश का जनजीवन और लोगों की खुशहाली वहां की अर्थव्यवस्था पर निर्भर करती है। यद्यपि प्रति व्यक्ति आय जैसे आंकड़े का भी बहुत महत्व होता है बल्कि कुछ अधिक ही होता है। सकल घरेलू आय का समान वितरण आबादी के बीच समान रूप से नहीं होने से समाज में निर्धन और संपन्न वर्गों के खांचे बन जाते हैं तो बड़े देशों में खुशहाली में भी असमानता दिखाई देती है। लेकिन जब देश बहुत छोटे हों तो अमीरी गरीबी के बीच की यह खाई उतनी गहरी दिखाई नहीं दे पाती। जिनकी अर्थव्यस्था कमजोर है तो गरीब होते ही हैं। जिन छोटे देशों की अर्थ व्यवस्था बेहतर होगी तो लोगों में खुशहाली भी बेहतर हो जाती है। यदि क्षेत्रफल की दृष्टि से विश्व के चार सबसे छोटे देशों की बात करें तो मात्र 0.44 वर्ग किलोमीटर वाला वैटिकन सिटी सबसे छोटा देश है, इसके बाद मीना को 2.10 वर्ग किलोमीटर, नाउरू 21 वर्ग किलो मीटर के बाद तुवालू 26 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल के साथ चौथा सबसे छोटा देश है। तुवालू की अर्थ व्यवस्था में जिस चीज का महत्वपूर्ण योगदान है वह हमारी सामान्य समझ को चौंका देती हैं।

तुवालू दक्षिण प्रशांत महासागर में नौ छोटे द्वीपों का एक समूह है, जिसने 1978 में यूनाइटेड किंगडम से स्वतंत्रता प्राप्त की थी। इनमें से पांच द्वीप प्रवाल द्वीप हैं, जबकि अन्य चार समुद्र तल से ऊपर उठी भूमि से बने हैं। पूर्व में एलिस द्वीप के नाम से जाने जाने वाले ये सभी द्वीप निचले इलाके में हैं, और तुवालू की समुद्र तल से ऊंचाई 4.5 मीटर से अधिक नहीं है। ग्लोबल वार्मिक के कारण समुद्र का जल स्तर ऊपर उठ रहा है, ऐसे में यह खतरा भी यहां पैदा हुआ है कि कुछ ही वर्षों बाद ये द्वीप डूबकर विलुप्त हो सकते हैं। ट्रेवल ब्लॉगर्स को तुवालू की यात्रा करने में काफी दिलचस्पी रहती है। पिछले दिनों पैसंजर परमवीर और डॉक्टर यात्रा ब्लॉग के परमवीर और नवांकुर के यूट्यूब वीडियो हमने देखे और यहां के जनजीवन को जाना समझा है।

तुवालू की राजधानी फुनाफुटि है जहां एक मात्र अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट है जहां प्रति सप्ताह दो तीन फ्लाइट का संचालन होता है, एयर कनेक्टिविटी केवल फिजी के जरिए ही होती है। बाकी समय यहां के रन वे का उपयोग खेल के मैदान के रूप में होता है। बच्चे और अन्य लोग

पुस्तक समीक्षा

सत्य प्रकाश ‘शिक्षक’

समीक्षा

‘घरों को ढोते लोग’ विख्यात लेखक एवं संपादक सुरेश सौरभ के संपादन में संग्रहित 71 लघुकथाओं का अप्रिमत संकलन है। ये लघुकथाएं हर वर्ग तथा प्रत्येक क्षेत्र में शोषित वंचित लोगों की बात को,उन्के दर्द को एक शिद्दत से बयां करती हैं। सुरेश सौरभ कुशल संपादक के साथ-साथ एक श्रेष्ठ लेखक भी हैं, यह गुण उनके हर संग्रह में दिखाई देता है। संग्रह की अंतिम दो लघुकथाएं ‘कैमरे’ और ‘हींगवटी’ सुरेश सौरभ द्वारा लिखी गई हैं, जो बालश्रम पर करारा प्रहार करतीं हुई दिखाई पड़ती हैं। चुनाव हो या शादी बारात इन जगहों पर काम करने वाले बच्चों के साथ अनहोनी घटनाएं घट जाएं, तो इसकी परवाह कोई नहीं करता।

योगराज प्रभाकर की लघुकथा ‘अपनी-अपनी भूख’ में जहां गरीबों के बच्चों को भरपेट भोजन नहीं मिलता वहीं अमीरों के बच्चों की भूख खोलने के लिए इलाज किया जाता है। मनोरमा पंत की लघुकथा ‘बदलते रिश्ते’ करुणा भरी, गहन वात्सल्य से ओतप्रोत कथा है। प्रत्येक लघुकथा का नायक चाहे, वह रिकशा वाला हो या ड्राइवर हो या अन्य, सभी अपने कंधों पर घर की जिम्मेदारियों का बोझ ढोए हुए दौड़ लगा रहे हैं। मार्टिन जॉन की शीर्षक लघुकथा ‘घरों को ढोते लोग’ में कोई पेट की आग बुझाने के लिए घर ढो रहा है तो कोई सुख सुविधा बढ़ाने के लिए जुटा है। समाज के कटु सत्य को परोसती लघुकथा कबाड़ी में रश्मि चौधरी की नायिका गृहणी, घर का कबाड़ बिना पैसे लिए

कला

पंकज तिवारी

कला समीक्षक

विजय दशमी के पावन पर्व पर हर तरफ हर्षोल्लास का माहौल है। प्रभु श्री राम और उनके विजय की गाथा है। चारों तरफ रावण दहन की बात है। अभिव्यक्ति के लगभग हर विधाओं में प्रभु श्रीराम को अपने-अपने तरीके से प्रस्तुत करने का चलन है। पहले भी रहा था आगे भी रहेगा। भारतीय कलाकारों में अपने संस्कृतियों को लेकर शुरू से ही अपार श्रद्धा के भाव देखे गये हैं फलतःवर्त धर्म ग्रंथों के साथ ही प्राचीन कथाओं पर भी कलाकृतियां देखने को मिल ही जाती हैं। राम के जीवन, समाज को आइना दिखाने वाले कर्तव्यों को अपने में समेटे रामायण ने कलाकारों, दर्शकों एवं पाठकों को सदियों से आकर्षित किया है। भारतीय कलाकारों के प्रिय विषय रहे हैं राम और उनसे जुड़ी कहानियां। मय की कहानी भी आम है। तत्कालीन समय में भी महलों, चौखानों या और भी विशेष जगहों पर कलाकृतियों का ज़िस्ड है। त्योहारों पर या किसी विशेष आयोजन पर जैसे शादी विवाहों में भी चित्रनिर्मित का विधान रहा है। सीता और राम के विवाह के समय भी पूरे नगर को कलाकृतियों से सजा देने की बात सामने आती है। मधुबनी, कोबबर, रंगोली आदि लोक शैलियों में भी प्रभु श्री राम से संबंधित कृतियां देखने को मिलती हैं। उड़सूआ और पश्चिम बंगाल के पटचित्रों में राम के जीवन की तमाम घटनाओं को सरलता, गूढ़ता दोनों रूपों में देखा जा सकता है। वली, पिछवाई लगभग हर जगह प्रभु श्री राम से संबंधित कृतियों से रूबरू हुआ जा सकता है। मध्यकालीन कृतियों में भी चाहे, उड़सूआ, बंगाल या बिहार की बात हो रामायण से संबंधित चित्र वहां भी मौजूद हैं हं इतना जरूर कहा जा सकता है कि जिस भी समय, काल या परिस्थितियों के बीच ये कृतियां बनी हैं उस समय के प्रभाव से वो बच नहीं सकी हैं मतलब साफ है कि विधि, विधान, विधाएं भले अलग-अलग रहे हों पर प्रभु श्री राम से संबंधित कृतियां रही हर जगह हैं। देश के साथ ही विदेशों में भी इनकी मौजूदगी है। रामस्थानी शैली, मुगल शैली सहित हर प्रकार के समय और शैलियों में प्रभु श्री राम और उनसे संबंधित घटनाओं के हजारों चित्र मौजूद हैं।

समुद्र में डूबते देश की अर्थव्यवस्था का आधार



इसका आनंद उठाते हैं। परिवहन के रूप में एक सिरे से दूसरे सिरे तक बस सड़क बनी हुई है, लोग पैदल ही यात्रा कर लेते हैं, कुछ दुपहिया वाहन भी हैं। सरकारी अधिकारियों के पास कुछ कारें भी हैं किंतु उनका उपयोग बहुत कम किया जाता है। यहां की आबादी ही केवल 11,500 है जो 26 वर्ग कमी के क्षेत्र में फैली है तो यहाँ की आवश्यकताओं को आसानी से समझा जा सकता है। हमने देखा कि इन द्वीपों पर जीवन सरल किंतु बहुत कठिन होता है। यहां कोई नदी या अन्य जल स्रोत नहीं हैं, इसलिए बारिश के पानी के संग्रहण से ही लोगों का काम चलता है। नारियल तथा ताड़ के पेड़ ज्यादातर द्वीपों पर फैले हुए हैं, खोपरा,सूखे नारियल की गिरी आदि ही व्यावहारिक रूप से निर्यात करने योग्य उपज है। यहां की

मिट्टी में बढ़ती हुई लवणता के कारण पारंपरिक खेती करना जोखिमपूर्ण है।

तुवालू ने आय के अन्य नवोन्मेषी स्रोत का दोहन करके चतुराई दिखाई है। हम सब जानते हैं कि आधुनिक विश्व एक ग्लोबल समाज बन गया है, जिसकी सारी सरचनाएं, एकजुटता इंटरनेट जैसी आधुनिकतम तकनीक पर निर्भर है। दुनिया की रक्तवाहिनियों में इंटरनेट के प्रवाह से धड़कने बनी हुई हैं। हर संस्था, कंपनी,व्यक्ति या सरकारों की अपनी अलग अलग वेब साइट होती हैं, जो अपने डोमेन के जरिए अंतरराष्ट्रीय रूप से संजाल से जुड़ पाती हैं। ईमेल, वेब सर्च और अन्य कई गतिविधियों के लिए टॉप लेवल डोमेन बनाया जाता है। यह वह हिस्सा होता है जो डोमेन नेम के बिल्कुल आखिर में होता

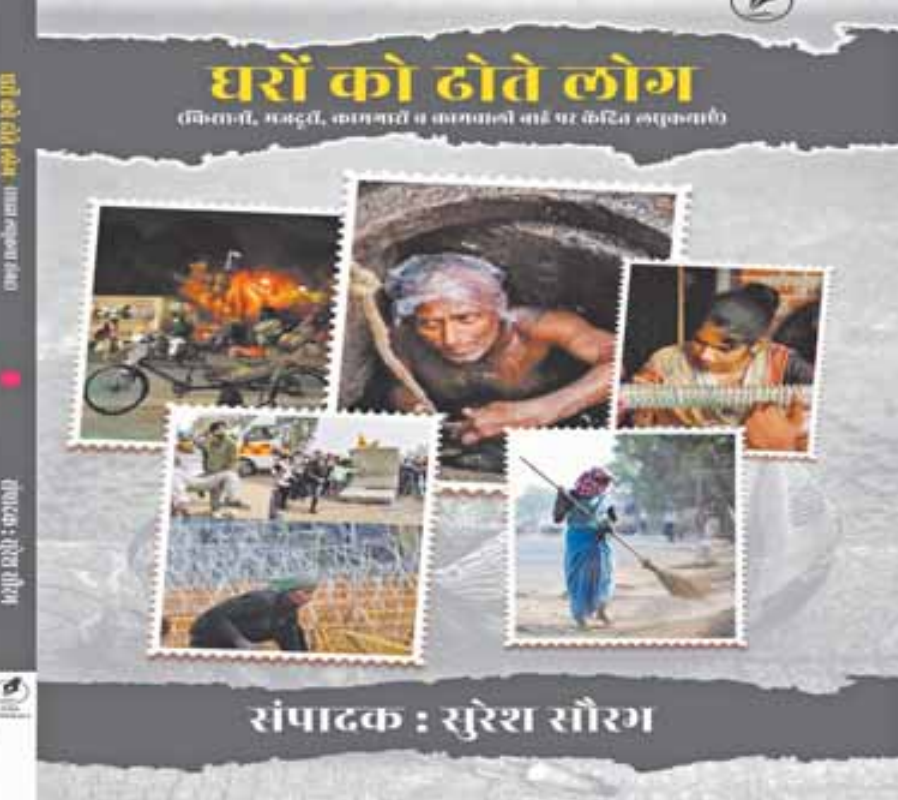
है। जिसे हम डॉट कॉम या डॉट इन आदि से जानते हैं।

डॉट कॉम का मतलब होता है यह वेब साइट कमर्शियल उपयोग के लिए है। डॉट ओआरजी का मतलब है यह संस्थागत वेब साइट है। डॉट जीओबी का मतलब है यह गवर्नमेंट साइट है। इसी तरह देश का कोड भी होता है। कंट्री कोड टॉप लेवल डोमेन। इससे पता चल जाता है कि यह किस देश का डोमेन है। जैसे भारत के लिए डॉट इन, अमेरिका के लिए डॉट यू एस और ब्रिटेन के लिए डॉट यू के। इसी तरह तुवालू का डोमेन बनता है डॉट टीवी। जोकि टेलीविजन शब्द का लघु रूप हो जाने से महत्वपूर्ण हो गया है। तुवालू में न तो इंटरनेट है न ही ऑनलाइन कोई संरचना, उसने अपने इंटरनेट कंट्री कोड डोमेन डॉट टीवी को (.tv) केलिफोर्निया की एक कंपनी को कई मिलियन

डॉलर प्रति वर्ष की निरंतर आय के लिए बेच दिया है। कंपनी इस डोमेन को टेलीविजन प्रसारकों को बेचती है। तुवालू की आय का यह बड़ा स्रोत बन गया है। तुवालू की अर्थ व्यवस्था का यही वह राज है जिससे वहां का जीवन थोड़ा सुगम हुआ है।

द्वीप के डूबने के खतरे को लेकर ऑस्ट्रेलिया सरकार ने बड़े उपाय किए हैं, अपने यहां तुवालू के नागरिकों को बसने के लिए काफी सुविधाएं और स्थान उपलब्ध कराने के बहुतेरे प्रयास जारी हैं। तुवालू के बारे में इतनी अनजानी जानकारी जुटाने की प्रेरणा में यूट्यूब के ट्रेवल ब्लॉगर्स के योगदान को हम भुला नहीं सकते। किताबों की तरह घुमफड़ों के कैमरों से दुनिया को देखने का भी अपना एक सुख है।

हाशिये पर जी रहे लोगों का चित्रण करती लघुकथाएं



कबाड़ी को दे देती है जबकि कबाड़ी पैसे देने के लिए लगातार बोलता रहता है।

भीषण गर्मी के बाद बरसात का मौसम जहां साधन संपन्न लोगों के लिए खुशनुमा पल होते हैं, वहीं यशोधरा भटनागर की लघुकथा ‘कम्पों’ में, कम्पों जब अपने घर पहुंचती है तो टपकती छत से भीग चुकी गौली लकड़ियों से पेट की आग बुझाना मुश्किल हो जाता है। इसी प्रकार डॉ.मिथिलेश दीक्षित की लघुकथा ‘सलोनी’ में कामवाली भाई का मार्मिक चित्रण है। अरविंद अंसर, अविनाश अग्निहोत्री, रश्मि लहर, सेवा सदन प्रसाद, गुलजार हुसैन, हर भगवान चावला, सुकेश साहनी बलराम अग्रवाल, डॉ.चंद्रश कुमार छतलानी, मीरा जैन, विजयानंद जैसे सभी प्रतिष्ठित लघुकथाकारों की कथाएं संग्रह को बहुत ही मार्मिक और हार्दिक बनाती हैं, पुस्तक की सभी लघुकथाएं सटीक और अर्थपूर्ण हैं। सार्थक एवं स्तरीय लघुकथाओं के लिए सभी रचनाकार बधाई के पात्र हैं। भूमिका प्रसिद्ध कथाकार सुधा जुगुरान ने लिखी है, जिससे संग्रह और भी पठनीय बन पड़ा है। संपादक सुरेश सौरभ लघुकथा जगत में विशिष्ट स्थान बनाए इन्हीं शुभकामनाओं के साथ हार्दिक बधाई।

पुस्तक-घरों को ढोते लोग (साझा लघु कथा संग्रह) संपादक-सुरेश सौरभ मूल्य- 245 प्रकाशन- समुद्रि पब्लिकेशन नई दिल्ली।

लघुकथा

डॉ. नीहार गीते

- चलती ट्रेन में महिला से छेड़छाड़, बचाने आए पति को बदमाशों ने चलती ट्रेन से फेंका ।
- फुटपाथ पर सोई डेड़ साल की बालिका से दुष्कर्म ।
- गुंडों द्वारा पिटते भाई को बचाने गई बहन को घर में घुसकर मारा ।
- पांचवी गली में घूमती पगली फिर गर्भवती दिखी ।
- तीन माह की बच्ची से दुष्कर्म कर दुष्कर्मी ने उसका गला घोट्टा ।
- लॉन में बैठकर चाय की चुस्कियां लेते बाल एवं महिला विकास आयोग के वरिष्ठ अधिकारी जोर से चिखलाए, अरे कोई है क्या? महिला-महिला, दूसरा अखबार लाओ बे ।
- बाहर आने से पहले अंदर साथ खेलती उनकी बेटी को नौकर ने कस के चूम लिया ।

विजय दशमी, कला और कला में श्री प्रभु राम



कोविड के दौर में रामायण के फिर से दूरदर्शन पर शुरू होने के साथ ही राम के गुणों की चर्चा, राम के संस्कार, भाइयों के बीच का दर्शन, गुणों-अवगुणों पर तार्किक बहस जैसे एक बार फिर से दबा हुआ मर्म उजागिर हो गया था। रामायण से संस्कार ग्रहण कर चुकी एक पीढ़ी जो लगभग अपने उम्र के कई बसंत पार कर चुकी है, बच्चों के संस्कार को लेकर चिंतित थी, उनके बाद की वह पीढ़ी, नई पीढ़ी जो पाश्चात्यता के विचारों के साथ तैयार हुई, उसमें चाह कर भी वह संस्कार नहीं डाल पाए और आए दिन नए-नए मुद्दों को लेकर कुछ ऐसी फिल्में भी बनीं जो भारतीय संस्कृति पर कुठराघात के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने में सफल रहीं। आदिपुरुष ने तो सारे रिकॉर्ड ही ध्वस्त कर दिए थे, जो बच्चों को भ्रमित करने हेतु काफी है हालांकि इस पर विस्तार से चर्चा की आवश्यकता है। जहाँ बच्चे जब गमियों की छुट्टियों में अपने घर जाते हैं तो उन्हें यह कहते आसानी से सुना जा सकता है कि हम तो दादी के घर जा रहे हैं, जहाँ दादी बस मनोरंजन की एक चीज बनकर रह गई हैं, जहाँ दादा बच्चों के बिगड़ते रूपों को देखकर घर के एक कोने में दुबक कर बस रो लेते हैं और अपने बच्चों के संस्कार को लेकर चिंतित है ऐसे दौर

में रामायण के शुरू होते ही अचानक से बड़े स्तर पर परिवर्तन देखने को मिला। यही परिवर्तन मिला था राजा रवि वर्मा के चित्रों, विशेषतः धार्मिक चित्रों को देखकर। उस जमाने में जब ईश्वर की पहुँच मूर्त रूप से भारत के घर-घर में हो गया था रवि वर्मा के प्रेम में बने उनके अपने चित्रों के हजारों प्रतियों के रूप में। अब हम कहें कि साहित्य और कला की प्रासंगिकता क्या है? क्या यह प्रश्न बचकाना नहीं लगता? जिस तरीके से लोग रामायण में पूरे जी-जान से अपने आप को प्रस्तुत कर देने वाले राम और सीता के रूप में अरुण गोविल तथा दीपिका को अपने भगवान के रूप में मानते हैं, उनके कदमों पर चलना चाहते हैं क्या सभी के जेहन में राम और सीता की यह तस्वीर नहीं बस गई है? आज लगभग सभी लोग राम और सीता को इसी रूप में पसंद कर रहे हैं इसी रूप में पूज रहे हैं। एक समय था जब राजपूत शैली, मुगल शैली अपने उद्देश्य को खो रही थी चित्रकार स्थिर होकर चित्रकारी नहीं कर पा रहे थे चित्र नहीं बना पा रहे थे कलाकारों को अपना जीवन यापन करना भी भारी पड़ रहा था, कला को लेकर अस्थिरता का माहौल व्याप्त था। भारतीय कला की स्थिति डौवाडेल थी हालांकि मध्यकाल में, मुगल शैली में, कंपनी शैली

में तथा और भी कई शैलियों में देवी-देवताओं के चित्र बने, लेकिन उनमें ऐसे गुणों की कमी थी कि वे लोगों के दिलों में जगह बना पाते, उन सबों में लोक संस्कृति, स्थानीयता तथा बेडैलता की छाप नजर आती थी। ऐसी कला नहीं मिल पा रही थी जो पूरे देश पर एक साथ अपना छाप छोड़ सके, उसी बीच आधुनिक कला में या कला के आधुनिक दौर में लोगों को देवी-देवताओं के एक नए रूप से परिचित करवाया गया। लोगों को देवी-देवताओं के सम्मोहक चित्रों से परिचित करवाने वाले कलाकार थे राजा रवि वर्मा। इनके द्वारा ही लीथोग्राफ प्रेस की स्थापना की गयी फलतः अधिक और सस्ते चित्रों का निर्माण होने से भारत के अधिकतर घरों में इनके चित्रों की पहुँच हुई, इनके चित्रों में लोगों को अपने भगवान नजर आये और उनकी पूजा भी हुई। अपने चित्रों के विषय और सजीवता के बल पर ही रवि वर्मा भारतीय जनमानस के दिलों पर राज करने लगे थे कहना गलत न होगा कि रवि वर्मा जन-जन के चित्रकार हो गये थे। रवि वर्मा प्रभु राम से संबंधित भी बहुत से चित्र बनाए। कृति 'श्री राम द्वारा धनुष तोड़ना' में प्रत्यंचा चढ़ाते ही धनुष का टूट जाना, बाल में खुश मुद्रा में लक्ष्मण, उनके गुरु और सिंहसन के पास राजा

जनक। बहुत ही कम पात्रों के बाद भी पूरी बात दर्शा पाने में सक्षम है यह कृति वहीं दूसरे चित्र 'जटायु वध' में भी पूरी जीवंतता है। जटायु के पर काटता रावण के चेहरे पर का हास्य, पर कटते देख डरी हुई सीता और अंतिम क्षणों तक लड़ने को सज्ज जटायु, जिसके पर कट गये हैं, छोटे-छोटे कतरनों में बिखर कर जमीन पर गिर रहे हैं, दर्द से तड़प रहे जटायु का मुँह अभी भी बार करने के ही मुद्रा में दर्शित है। पूरी कृति जटायु वध के साथ ही गमगीन वातावरण को दर्शाने में सक्षम है। रावण के कर्करता को भी दर्शाता है चित्र। 'श्री राम द्वारा समुद्र पर विजय प्राप्ति' नामक चित्र में रवि वर्मा ने भाव को दर्शाने हेतु पूरी तमयता के साथ खुद को प्रस्तुत किया है। एकदम सरल मानव रूप में राम। शरीर पर जनेऊ, सीम्य चेहरा, सादगीपूर्ण रहन-सहन, नीचे रखा कमंडल उनके शांतिप्रयत्ना को दर्शाता है परन्तु आगे ही हाथ में धनुष, प्रत्यंचा पर चढ़ने को तैयार बाण और क्रोध से फैली हुई आँखें 'भय विनु होय न प्रीत' वाले भाव के नजदीक लेकर जा रही है हालांकि चेहरे पर क्रोध का भाव उतने अच्छे तरीके से नहीं आ सका है जैसा आना चाहिए था। व्याकुल बादल, व्याकुल और घबराए वरुण, आसमान में चमकती बिजली, डर से, भय से इधर-उधर बेतहाशा भागती लहरें पूरे घटनाक्रम को आसानी से दर्शकों तक अपनी बात रख जाती हैं। कलाकार राजा रवि वर्मा के बाद भी तमाम कलाकारों द्वारा प्रभु श्री राम पर तमाम कृतियों का निर्माण हुआ है और अभी भी हो ही रहा है। आलेख के साथ संलग्न कृति 'राम दरबार' जबलपुर के प्रख्यात कलाकार रामकृपाल नामदेव जी द्वारा निर्मित है। प्रस्तुत कृति तुलसी कृत रामचरितमानस पर आधारित है। जिसमें प्रभु श्रीराम, माता सीता सहित लक्ष्मण, भरत, हनुमान सहित तमाम गणमान्य लोगों की उपस्थिति है। कृति में गजब की कोमलता है। रामकृपाल नामदेव की दूसरी कृति 'भगवान श्री राम की लीलाएं' जिसमें उनके कई लीलाओं का जीवंतता के साथ अंकन हुआ है। भी काफी भावपूर्ण है। राम दरबार पर तो और भी कई कलाकारों ने अपनी तुलिका चलाई है। अभी हाल ही में जबसे श्री राम जी के मंदिर का निर्माण हुआ है उसके बाद से तमाम कैपों के जरिए भी प्रभु राम से संबंधित तमाम कृतियों का निर्माण हुआ जिसमें बहुत ही सुन्दर सुन्दर कृतियों का सृजन देखने को मिलता है।

लल्ली चौक से चल समारोह निकलने के बाद प्रशासन-पुलिस ने ली राहत की सांस

दूसरे दिन तक चलते रहा प्रतिमाओं के विसर्जन का दौर

बैतूल। विजयादशमी पर दुर्गा प्रतिमा का चल समारोह दूसरे दिन रविवार तक चलते रहा। सबसे आखरी में टिकारी काली माँ की प्रतिमा निकली। इस जुलूस के लल्ली चौक से जाने के बाद प्रशासन और पुलिस अधिकारी वापस लौटे। चल

शनिवार दोपहर से लेकर शाम तक कई सार्वजनिक प्रतिमाएं विसर्जित कर दी गई थी, लेकिन हर बार की तरह देर रात तक निकलने वाली प्रतिमाओं का विसर्जन न होने से प्रशासन और पुलिस की चिंताएं बनी रही। चल समारोह के दौरान डीजे



समारोह के दौरान प्रशासन और पुलिस के अधिकारी लल्ली चौक पर निगरानी करते रहे। चल समारोह में इस बार किसी भी तरह की अप्रिय घटना निर्मित नहीं हुई, इससे प्रशासन के अधिकारियों को भी राहत मिली है। गौरतलब रहे कि शहर में एक सैकड़ से अधिक स्थानों पर सार्वजनिक प्रतिमाएं स्थापित की गई थीं।

और बैंड की धुन पर कई घंटों तक कार्यक्रमतां थिरकते रहे। बड़ी प्रतिमाओं को क्रेन के सहारे करबला पर विसर्जित किया गया। इस दौरान पुलिस के साथ प्रशासन के अधिकारी भी व्यवस्था बनाने में जुटे रहे। इस उत्साह की भीड़ को देखने के लिए श्रद्धालुओं की संख्या भी बड़ी संख्या में मौजूद थी।

ड्रेन कैमरे से होते रही सतत निगरानी

चल समारोह में असामाजिक तत्व खलल न डालें, जिसे ध्यान में रखते हुए जगह-जगह पुलिस जवानों को तैनात किया था। साथ ही ड्रेन कैमरे के माध्यम से पूरे चल समारोह पर बारिकी से नजर रखी जा रही थी। खासतौर पर लल्ली चौक पर ड्रेन कैमरा लगाया गया था। ड्रेन से दूर-दूर तक जुलूस पर नजर बनी हुई थी। ड्रेन के अलावा पुलिस ने शहर के चौक-चौराहों पर लगे सीसीटीवी कैमरों से भी नजर रखी। भीड़ को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस जवान मौजूद थे। दशहरा के चल समारोह में नगर पालिका ने करबला घाट सहित अन्य विसर्जन घाट बनाये थे, जहां प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। इधर कलेक्टर, एसपी, एसडीएम, तहसीलदार, एसपी, एसडीओपी, कोतवाली टीआई समेत सीएमओ और अन्य अधिकारी, कर्मचारियों ने निरीक्षण कर व्यवस्था बनाने के प्रयास किए।

पहलवानों ने दिखाए हैरत अंगेज करतब

बैतूल। दशहरा पर्व पर श्री बजरंग व्यायाम शाला कोठी बाजार द्वारा परंपरा अनुसार अखाड़ा निकाला। अखाड़ा व्यायाम शाला के वरिष्ठ सदस्य उस्ताद नवनीत श्रीवास, नीटू जैन, खलीफा अरविंद मालवीय, दीपक कुशवाह, गुन्ना मिश्रा, प्रदीप मालवीय, प्रीतम यादव, सूरज, काका, यश, अंशुल, निखिल, दाउ, प्रिंस, मनीष, चम्पा, वीरू, आदि पहलवानों द्वारा पूजा अर्चना के पश्चात ढोल-धमाकों के साथ पहलवानों द्वारा अस्त्र-शस्त्रों की आकर्षक



कलाबाजियों का प्रदर्शन करते हुए दुर्गा मंदिर पहुंचा। जहां मंदिर समिति अध्यक्ष नीटू जैन, मनीष उदासी, डॉ. जोहरी, श्री राजपूत आदि के द्वारा अखाड़े का पूजन कर उस्ताद नवनीत श्रीवास खलीफा अरविंद मालवीय, दिलीप दादू मालवी, प्रदीप मालवीय, मनोज मिश्रा, प्रीतम यादव, गुन्ना मिश्रा सहित सभी पहलवानों का पुष्पहार और श्रीफल भेंट कर स्वागत किया। नगर के प्रमुख मार्ग से नन्हे-मुन्हे पहलवानों के द्वारा बेटियों द्वारा लाठी, बनेटी, भाला, तलवार, आग का गोला, पिरामिड आदि कलाबाजियों का हैरतअंगेज प्रदर्शन किया। लल्ली चौक पर सामाजिक संगठनों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। खलीफा अरविंद मालवीय द्वारा तलवार बाजी और पहलवानों के द्वारा उक्कट्ट प्रदर्शन पर दर्शकों द्वारा करतल ध्वनि से स्वागत किया। ज्ञातव्य हो कि अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पहलवान और फिल्म अभिनेता दारा सिंग ने अरविंद मालवीय को व्यायाम शाला में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया था। अखड़े का सैकड़ों लोगों ने लुत्फ उठाया और मुक्त कंठ से सराहना की।



विजयादशमी पर निकला पथ संचलन, नगरवासियों ने पुष्पवर्षा कर किया स्वागत

बैतूल। विजयादशमी के पावन अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) द्वारा नगर में संघ गीत गाते हुए पथ संचलन निकाला गया। नगर के पुलिस मैदान पर एकत्रित स्वयंसेवकों ने पूरे अनुशासन और जोश के साथ संचलन किया, जिसका नगरवासियों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। सह जिला संचालक खेमराज छढोरे, नगर संचालक संजय, मुख्य अतिथि श्रीमती डॉ. कृष्णा मौसीक और मुख्य वक्ता प्रांत शारीरिक शिक्षण प्रमुख त्रिरीश लोधी, बैतूल आरआरएस के जिला प्रचारक शिवम ग्वाले, जिला कारवाहा ज्ञानदेव आह्वे, स्वयंसेवक केंद्रीय मंत्री डीडी उर्दके, विधायक हेमंत खंडेलवाल, नगर कार्यवाहा लोकेश झरबड़े, आरएसएस के मुख्य शिक्षक दीपक सोनी, अरूण किलेदार सहित आरएसएस के सैकड़ों सैनिक उपस्थित रहे। त्रिरीश लोधी ने स्वयंसेवकों और नगरवासियों को विजयादशमी और नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए संगठन के महत्व को समझाया। उन्होंने अपने उद्बोधन में पंच परिवर्तन की अवधारणा पर विस्तार से चर्चा की और बताया कि समाज को जातिगत भेदभाव से ऊपर उठकर सामाजिक समरसता बनाए रखनी चाहिए। उन्होंने परिवारों को एकजुट रखने के महत्व पर भी जोर दिया और स्वदेशी



जीवन शैली अपनाने की अपील की। पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान देते हुए उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक पेड़ लगाकर और प्लास्टिक का उपयोग कम करके हम ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपट सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने नागरिक शिष्टाचार, स्वच्छता, यातायात नियमों का पालन, हेलमेट का उपयोग और सरकारी संपत्ति की सुरक्षा के महत्व को भी रेखांकित किया। इस पथ संचलन में बड़ी संख्या में स्वयंसेवक और नगरवासी शामिल हुए। संघ का घोष (बैंड) इस आयोजन का मुख्य आकर्षण रहा। नगर के साथ-साथ आज ही के दिन घोडाडोंगरी और चिचोली में भी शस्त्र पूजन कर पथ संचलन निकाला गया।

रंगीन आतिशबाजियों ने किया दर्शकों को मंत्रमुग्ध

धूं-धूँकर जले रावण-कुंभकरण के पुतले

बैतूल। अधर्म पर धर्म, असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक दशहरा पर्व शनिवार जिले भर में आपसी सद्भाव के साथ मनाया गया। शाम को जगह-जगह रावण का दहन विशेष आयोजनों के साथ किया गया। जिले का मुख्य समारोह लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम में आयोजित किया गया। यहां रावण दहन देखने हजारों लोग पहुंचे। जय-जय श्रीराम का



उद्घोष करने में समूचा नगर ही प्रभु श्रीराम की भक्ति में लीन हो गया। यहां दशहरा पर्व मनाने के लिए अच्छी व्यवस्थाएं की गई थीं। पूरे स्टेडियम में आकर्षक लाइटिंग की व्यवस्था थी, जिससे समूचा स्टेडियम रात्रि में जगमगा रहा था। जिससे स्टेडियम की रौनक और बढ़ गई। नागरिकों में भी खासा उत्साह था और समूचा स्टेडियम खचाखच भर गया था। छोटे-छोटे बच्चे भी अपने-अपने परिजनों के साथ बड़ी संख्या में स्टेडियम पहुंचे। जिन्हें पालकों ने अपने कंधों पर बिठाकर रावण दहन का नजारा दिखाया। लगभग 55 फिट रावण और 50 फिट कुम्भकरण का पुतला दहन किया गया। पुतलों की साज-सज्जा इस तरह की गई थी कि सभी इसकी चर्चा करते रहे। भगवान श्रीराम, लक्ष्मण सहित विजय जुलूस ढोल-ढमाकों पर थिरकते हुए स्टेडियम पहुंचा। जुलूस में शामिल नागरिक ऐसे प्रतीत हो रहे थे जैसे सचमुच में रावण का नाश करने जा रहे हों। स्टेडियम में आतिशबाजी करीब एक घंटे तक जारी रही। एक से बढकर एक आतिशबाजी से नहया आसमान देखते ही बन रहा था। जिला मुख्यालय के अलावा जिले भर में रावण दहन किया गया।

ढोल-धमाके के साथ मां के जवारों का भव्य विसर्जन

भौरा। नवरात्रि के नौ दिवसीय अनुष्ठान के समापन पर दशहरा को ग्राम भौरा में श्रद्धा और उल्लास के साथ मां के जवारों का भव्य विसर्जन किया गया। यह धार्मिक यात्रा ग्रामवासियों के लिए आस्था का विशेष अवसर रही, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। जवारे अपने स्थान से शोभायात्रा के रूप में खेड़ापति माता मंदिर की ओर रवाना हुए। वहां पहुंचने पर श्रद्धालुओं ने मां खेड़ापति की विशेष पूजा-अर्चना कर उनके चरणों में जवारे अर्पित किए। इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों और भक्तों ने माता के जयकारों के साथ पूजन विधि संपन्न की। इसके बाद, जवारों की शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई मां बिजासन धाम पहुंची। यहां पर भी मां बिजासन के समक्ष श्रद्धालुओं ने पूजन कर आशीर्वाद लिया और गांव की सुख-समृद्धि की कामना की। मां बिजासन धाम पर पूजन के बाद, शोभायात्रा नदी तट की ओर बढ़ी। श्रद्धालुओं की उपस्थिति में नदी तट पर वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विधिवत जवारों का विसर्जन किया गया। इस दौरान ढोल-नगाड़ों की थाप पर भक्तों ने नृत्य करते हुए मां की महिमा का गुणगान किया। विसर्जन यात्रा के मार्ग पर जगह-जगह पुष्प वर्षा की गई, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। मंदिर समिति के अध्यक्ष महेंद्र सिरौटिया ने बताया, यह परंपरा हमारे पूर्वजों द्वारा शुरू की गई थी, और आज भी हम पूरे श्रद्धा भाव के साथ इसे निभा रहे हैं। हर वर्ष की भाँति, इस वर्ष भी ग्रामीणों का भारी समर्थन और सहभागिता इस आयोजन को सफल बनाता है। विसर्जन कार्यक्रम के दौरान प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण संपन्न हुआ।



डेम में डूबन से युवक की मौत

बैतूल। रविवार सुबह कोसमी डेम में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि युवक दुर्गा प्रतिमाओं में लगने वाली लकड़ियां निकालने डेम में उतरा था। मृतक की पहचान राजेश पिता साहबलाल



(45) निवासी कोसमी के रूप में हुई है। प्लाटून कमांडर सुनीता पट्टे ने बताया कि रविवार सुबह बैतूल पुलिस कंट्रोल रूम से युवक के कोसमी डेम में डूबने की सूचना प्राप्त हुई थी। रिजर्व टीम के 5 जवानों के साथ फोर्स मौके पर पहुंची। डेम में नाव की मदद से तलाशी अभियान चलाया गया। राखी इवने का शव डेम से बाहर निकालकर पुलिस को सौंप दिया। प्लाटून कमांडर ने बताया कि मृतक डेम से माता की प्रतिमाओं में लगने वाली लकड़ियों को बटोर रहा था। इसी बीच गहरे पानी में चले जाने से युवक डूब गया और उसकी मौत हो गई। फिलहाल उसका शव जिला अस्पताल भेजा गया है। जहां उसका पीएम करवाया जाएगा।

अचानक बदला मौसम, जिला मुख्यालय पर झमाझम बारिश



बैतूल। जिला मुख्यालय बैतूल सहित अन्य ब्लकों में रविवार को झमाझम बारिश हुई। बारिश के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में फसल कटाई का कार्य प्रभावित हुआ, वहीं बारिश से साप्ताहिक बाजार में भी अफरा-तफरी का माहौल बन गया। दरअसल रविवार दोपहर बाद अचानक मौसम बदल गया और बारिश शुरू हो गई। बारिश के कारण किसानों की चिंताएं बढ़ गई हैं। भू अभिलेख कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार रात से रविवार सुबह 8 बजे तक बैतूल ब्लॉक में 5.4, घोडाडोंगरी 10.0, चिचोली 44.0, शाहपुर 10.2, आमला 12.0, आठनेर 5.2 और भीमपुर में 3.0 मिमी बारिश दर्ज की है। इधर किसानों का कहना है कि बारिश से फसल कटाई का काम प्रभावित हो गया है। कई के खेतों में कटी फसल भीगने से फसल में अंकुरण का खतरा बढ़ गया है। बारिश से किसानों को नुकसान होने की संभावना सबसे ज्यादा बनी है।

गरबा महोत्सव में गोल्ड कॉइन से सम्मानित हुई राखी

बैतूल। औरा बिका निऑन गरबा महोत्सव में सारणी कोलगांव निवासी राखी उर्दके गोल्ड कॉइन से सम्मानित हुई है। उन्हें यह सम्मान औरा बिका के डायरेक्टर बादल मोटवानी ने प्रथम पुरस्कार के रूप दिया है। उल्लेखनीय है कि औरा बिका के तत्वावधान में लिंक रोड स्थित तरंग लॉन में दो दिवसीय निऑन गरबा महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें कोलगांव निवासी राखी ने गरबे की मनमोहक प्रस्तुति देकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। गोल्ड कॉइन पुरस्कार राठौर ज्वेलर्स की ओर से रखा गया था। राखी को मिले इस सम्मान पर साक्षी नागले, पारुल ठाकरे, खुशी मोटवानी, खुशबु पगारिया, स्वर्णा मानेकर, आदित्य, वैद्य मानेकर सहित परिजनों, ईश मित्रों ने बधाई दी है।

जिला सहकारी संघ मर्यादित बैतूल द्वारा प्रकाशित आरती संग्रह का विधायक ने किया विमोचन

बैतूल। जिला सहकारी संघ मर्यादित बैतूल द्वारा प्रकाशित आरती संग्रह बुक का विमोचन पापुलर विपणन समिति बैतूल गंज प्रांगण में बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल द्वारा किया गया। नवरात्रि के शुभ अवसर पर संघ द्वारा किताब में भगवान की आरती के साथ जिले में संचालित समितियों के साथ भारत सरकार और मध्य प्रदेश सरकार द्वारा सहकारिता के क्षेत्र में चलाई जा रही योजनाओं का सुन्दर वर्णन किया गया है, जिसका लाभ कृषकों समेत कर्मचारियों को भी मिलेगा, विमोचन कार्यक्रम में समिति सदस्यों और कृषकों को संबोधित करते हुए बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि भारत सरकार सहकारिता को एक नया आयाम दे रही है जिसमें अब सहकारी समितियां आत्मनिर्भर बनेंगी वहीं जनता को समिति के माध्यम से गुणवत्ता युक्त प्रोडक्ट उचित दमो में उपलब्ध हो सकेंगे। भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाएं और सहकारिता के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचार सभी के लिए लाभकारी है, साथ ही जिला सहकारी संघ मर्यादित बैतूल द्वारा प्रकाशित आरती संग्रह की विशेषताएं बताते हुए उन्होंने कहा कि सहकारिता के विषय में जनता तक जानकारी



पहुँचाने का सराहनीय कदम है। कार्यक्रम में बतौर अध्यक्ष बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल , मुख्य अतिथि सतीश पाठा जिला पंचायत सदस्य, अतीत पवार पूर्व अध्यक्ष बैतूल नागरिक सहकारी बैंक, दीपक कपूर एवं के.के.शिव उपायुक्त सहकारिता बैतूल, प्रभारी मुख्य कार्यपालिका अधिकारी श्रीमती नीता निगम सहकारी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष

कमल पवार उपस्थित थे। इसके साथ ही इफ्को संस्था के अधिकारी समेत सहकारिता विभाग के अधिकारी कर्मचारी एवं संस्थाओं के सदस्य व कृषक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। संघ द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मंच संचालन अशोक देशमुख प्रबंधक आदिमजाति सेवा सहकारी समिति जामठी द्वारा किया गया।

नवरात्रि समापन पर मां वैष्णो सेवा समिति द्वारा हवन-पूजन एवं भंडारे का आयोजन

भौरा। नगर के बस स्टैंड स्थित मां वैष्णो सेवा समिति द्वारा नवरात्रि के पावन पर्व पर श्रद्धालुओं की आस्था के प्रतीक स्वरूप मां दुर्गा की प्रतिमा की स्थापना की गई थी। नवरात्रि के समापन के उपलक्ष्य में हवन-पूजन एवं भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें नगरवासियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और प्रसाद ग्रहण कर माता का आशीर्वाद प्राप्त किया। प्रतिमा का विसर्जन दशहरे के दूसरे दिन, रविवार को किया जाएगा। शनिवार को नवरात्रि की पूर्णाहुति के अवसर पर विशेष हवन-पूजन का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने परंपरागत रीति से मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की। पूरे आयोजन स्थल पर माता के जयकारों की गूंज रही, और भक्तगण माता के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करते दिखे। हवन-पूजन के पश्चात भंडारे का

आयोजन किया गया, जिसमें नगर के श्रद्धालुओं ने भोजन रूपी प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे में श्रद्धालुओं के लिए खिचड़ी, पुड़ी, सब्जी और हलवा आदि का विशेष प्रबंध किया गया था, जिसे भक्तों ने श्रद्धा और प्रसन्नता के साथ ग्रहण किया। आयोजन के दौरान समिति के सदस्यों ने व्यवस्थाओं का विशेष ध्यान रखा, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। आयोजन स्थल की साफ-सफाई और भक्तों की सुविधा का ध्यान रखा गया, जिससे कार्यक्रम सुचारु रूप से संपन्न हो सके। रविवार को मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन शोभायात्रा के साथ संपन्न किया जाएगा, जिसमें नगर के लोग श्रद्धा और उत्साह के साथ सम्मिलित होंगे। शोभायात्रा के दौरान नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन किया जाएगा।

श्रीमंत डॉ. राजे मुधोजी भोंसले कल मुलताई और आठनेर में विशेष पूजन के साथ करेंगे भव्य महाआरती

बैतूल। छत्रपति शिवाजी महाराज के 13वें वंशज, श्रीमंत डॉ. राजे मुधोजी भोंसले, कल 15 अक्टूबर 2024 को बैतूल जिले के मुलताई और आठनेर के दिव्य मंदिरों में विशेष पूजन करेंगे। श्रीमंत डॉ. मुधोजी भोंसले नागपुर ट्रस्ट के संस्थापक हैं और मां सूर्यपुत्री तासी एवं मां तुलजा भवानी के अनन्य उपासक माने जाते हैं। उनका इस क्षेत्र में एक दिवसीय दौरा होने जा रहा है, जिसमें वे मुलताई के प्रसिद्ध मां सूर्यपुत्री तासी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना करेंगे और मां तुलजा भवानी मंदिर हिवरा में महाआरती में सम्मिलित होंगे। मां बगलामुखी साधक रविंद्र मनकर ने बताया कि इस विशेष आयोजन में सिवनी जिले के अखंड समाधिस्ट संत शिरोभागिणें डॉ. सत्यनारायण गिरी गोस्वामी महाराज के दिव्य वैदिक मंत्रों से पूजन संपन्न कराया



जाएगा। डॉ. सत्यनारायण गिरी महाराज को दस महाविद्या उपासक के रूप में जाना जाता है और वे स्वयं तीन माह 13 दिनों की भूमिगत समाधि ले चुके हैं। उनके हजारों शिष्य इस महाआरती में सम्मिलित होंगे। श्रीमंत डॉ. मुधोजी भोंसले के इस आयगमन को लेकर पूरे क्षेत्र में भव्य स्वागत की

तैयारी की जा रही है। उनका स्वागत पंदुर्गा फोरलेन पर राष्ट्रीय हिन्दू सेना एवं हिन्दू समाज द्वारा किया जाएगा। इसके बाद उनका आगमन मुलताई सर्किट हाउस पर होगा, जहां विभिन्न धार्मिक संस्थानों द्वारा स्वागत किया जाएगा। इसके पश्चात वे सूर्यपुत्री मां तासी श्री क्षेत्र के प्राचीन मंदिरों में पूजन करेंगे और छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। श्रीमंत डॉ. मुधोजी भोंसले के इस दौरे का समापन आठनेर के मां तुलजा भवानी मंदिर हिवरा में होगा। यहां सहस्रदेव डॉ. सत्यनारायण गिरी महाराज के नेतृत्व में मां जगदम्बा का दिव्य वैदिक मंत्रों से विशेष पूजन संपन्न होगा। इसके बाद विशाल महाआरती का आयोजन किया जाएगा, जिसमें समस्त क्षेत्रवासियों और हजारों भक्तगण शामिल होंगे।

दशहरे पर निकला पथ संचलन

बंगाली कालोनी में पुष्प वर्षा के साथ मातृशक्ति , बच्चे,नागरिक लगा रहे थे वंदे मातरम्,भारत माता की जय के नारे



हीरालाल गोलांनी सोहागपुर। दशहरे के दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने देनवा गार्डन से पथ संचलन निकाला। पथ संचलन में दिखा अनुशासन सम्पूर्ण रास्ते पर जगह पर हुई पुष्प वर्षा। बंगाली कालोनी में राष्ट्रीयता से ओतप्रोत पुष्प वर्षा के साथ मातृशक्ति, बच्चे, नागरिक लगा रहे थे, वंदे मातरम्, भारत माता की जय के नारे। इस अवसर पर देवना गार्डन में शस्त्र पूजा के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग कार्यवाही देवी सिंह मीणा ने अपने उद्बोधन में कहा कि 99 वर्ष पहले 27 सितम्बर 1925 में संघ की स्थापना हुई थी। संघ आज 100 वे वर्ष में प्रवेश करते अपना स्थापना दिवस मना रहा है। संघ ने शताब्दी वर्ष में कार्य विस्तार का लक्ष्य लिया है तथा सभी वैचारिक संगठनों को भी कार्य विस्तार करने का आग्रह किया है। श्री मीणा ने आगे कहा कि हमें समाज को पंच परिवर्तन के लिए प्रेरित करना है। जिसमें समरसता, कुटुम्ब, पर्यावरण, नागरिक कर्तव्य एवं स्व का बोध समाज में हो इसके लिए समाज जागरण का कार्य करते हुए संघ कार्य के विस्तार को बढ़ाना है। समाज को एक साथ समाज परिवर्तन के कार्य में लगना है। तथा हमें आने वाली चुनौतियों का सामना करने वाला समाज खड़ा करना ही हमारा लक्ष्य है। हमें जातियों की जंजीरों से मुक्त होकर ऐसे समाज का निर्धारण करना है। यदि ऐसा सुनिश्चित कर लें तो निश्चित ही हमारा देश भारत दुनिया का नेतृत्व करने वाला एवं शक्ति सम्पन्न होगा। आपने आह्वान किया कि संगठन की शक्ति से हम भारत को मजबूत करके सक्षम बनाएंगे।

पथ संचलन में

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पथ संचलन में बाल, तरूण,प्रोढ़ एवं व्यवसाई शामिल हुए। सरस्वती शिशु मंदिर के छात्रों के दो घोष दल आर्कषण का केंद्र रहे।

अनुशासन में

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का पथ संचलन निर्धारित पथ पर कदमताल करते हुए अनुशासन में देश भक्ति गीत एवं घोष वादन करते हुए निकला।

अखिल भारतीय विराट कवि सम्मेलन

17 अक्टूबर गुरुवार को मीना बाजार परिसर में आयोजित होगा : महापौर

देवास। 188वीं दशहरा कृषि कला प्रदर्शनी मीना बाजार स्थानीय कुशाभाऊ ठाकरे स्टेडियम आईटीआई ग्राउंड में आयोजित दिनांक 3 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक है महापौर श्रीमती गीता दुर्गाेश अग्रवाल ने बताया कि प्रति वर्ष अनुसार आयोजित मीना बाजार प्रदर्शनी इस वर्ष भी नगर निगम द्वारा आयोजित की गई है। आयोजित प्रदर्शनी मीना बाजार में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं मुशायरा भी आयोजित होंगे। विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ दिनांक 17 अक्टूबर गुरुवार को रात्रि 9 बजे, अखिल भारतीय विराट कवि सम्मेलन आयोजित होगा। जिसमें देश भर से सुप्रसिद्ध कवियों द्वारा अपना काव्य पाठ की प्रस्तुति दी जावेगी महापौर ने बताया कि देशभर से आने वाले कवियों में श्री विनीत चौहान वीर रस अलवर, डॉ प्रवीण शुक्ला हाथरस नई दिल्ली, डॉ कीर्ति काले गीत गजल नई दिल्ली, देव कृष्ण व्यास ओजस्वी गीतकार देवास, डॉ अनिल चौबे हास्य वाराणसी, श्री अभय निर्भीक वीररस लखनऊ, श्री सुनील जी सुनील लाफ्टर चैंपियन मुंबई, श्री जगदीश सेन गीतकार देवास के द्वारा हास्य व्यंग गीत गजल वीर रस से ओत प्रोत करने वाली कविताओं की प्रस्तुति पधारे कवियों द्वारा दी जावेगी छइस अखिल भारतीय विराट कवि सम्मेलन के सूत्रधार सुप्रसिद्ध देवास की शान कवि शशिकांत यादव, शशि ,सब रस , देवास के द्वारा संचालन किया जावेगा।

महापौर ने आम नागरिकों से अपील की है कि मीना बाजार में आयोजित इस विराट कवि सम्मेलन में पधारकर देश के विभिन्न शहरों से आए हुए सुप्रसिद्ध कवियों के द्वारा हास्य व्यंग्य गीत गजल वीर रस से ओत प्रोत कविताओं को सुनकर आनंद ले एवं इस कवि सम्मेलन को सफल बनाएं।

विकासखंड स्तरीय नवीन मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला के लिए युवा उद्यमियों व संस्थाओं से 18 अक्टूबर तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

नरसिंहपुर। जिले के विकासखंड स्तरीय नवीन मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला करेली, गोटेगांव, तेन्दुखेडा- चांवरपाटा, साईंखेडा एवं चीचली में प्रयोगशालाओं को संचालित करने के लिये संचालनालय किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा सूचना प्रकाशित की गई है। उप संचालक कृषि नरसिंहपुर ने बताया कि जिले में विकासखंड स्तरीय नवीन मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला में युवा उद्यमियों/ संस्थाओं द्वारा मुदा नमूना परीक्षण कराये जाने के लिये मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला के आवंटन के लिए एमपी ऑनलाईन के माध्यम से प्रस्ताव/ आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। युवा उद्यमी/ कृषि संबद्ध संस्थाएं अपने आवेदन 18 अक्टूबर तक <https://mpkrishi.mp.gov.in> पोर्टल पर स्वयं एवं एमपी ऑनलाईन कर सकते हैं। आवेदन की सक्षिप्त सूचना विभागीय वेवसाइट <https://mpkrishi.mp.gov.in> पर उपलब्ध है।

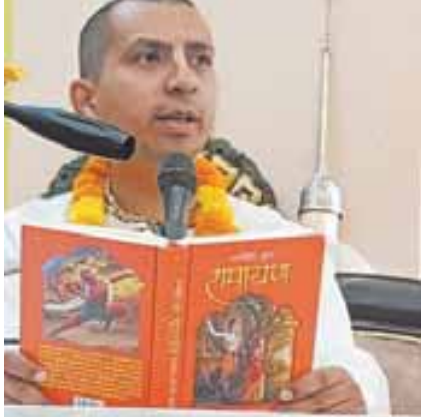
करबला में कब्बालियों का मुकाबला 16 अक्टूबर को

नरसिंहपुर। हजरात सैयदना शेख अब्दुल कादिर जिलानी का 79 वां सालाना उर्स,शाहे-जीशान 15,16,17 अक्टूबर 2024 तक करबला में आयोजित है उकाशय की जानकारी कमेटी के सदस्य इलियास ने देते हुए बताया कि 15 अक्टूबर में शाही संदल व चादर शरीफ नया बाजार नरसिंहपुर से रात्रि 7 बजे प्रारंभ होगी।

16 अक्टूबर रात्रि 7 बजे से कब्बालियों का मुकाबला जिसमें शब्बीर सदाकत सोनरी राजस्थान और अकरम असलम वारसी मुरादाबाद के बीच होगा। व लंगर और फातहा का दौर चलता रहेगा। 17 अक्टूबर में महफिल ए रंग व दुआ ए खैर का आयोजन होगा। उस व दराह कमेटी गैसावाद के अध्यक्ष सगीर उस्मानि ने शरीके उर्स पाक से दुनियावी व रूहानी फैत हासिल करने की अपील लोगों से की है।

बुद्धिमान धैर्य पूर्वक कथनों का अर्थ ढूंढकर भगवान की सेवा का अवसर तलाश लेते हैं : प्रणव दास

नर्मदापुरम। सतोगुण ईश वंदना मन को प्रफुल्लित करता है, इतना ही नहीं सतो गुणी आध्यात्मिक चेतना का मन पर गहरा असर होता है। कहा जाता है सुबह तीन बजे से योगी साधना में रत होकर आध्यात्मिक ऊर्चाई ब्रूते हैं। ऐसे सतोगुण समय में होने वाली साधना में एक इस्कॉन



मंदिर नर्मदापुरम भी शामिल हैं उसमें वैष्णव, कृष्ण भक्त भगवान की प्रसन्नता के लिए मूल में भक्ति रखकर भगवान की आराधना तो कर रहे हैं साथ ही सतोगुण समय में उठकर महामंत्र हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे कृष्ण, हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे नाम जप करके आध्यात्मिक प्रगति कर रहे.. एलआईसी दफ्तर के उपर द्वितीय तल स्थित इस्कॉन मंदिर में ऐसे ही सतोगुण के



श्रद्धा आस्था और उत्साह के साथ माता की बिदाई

देवास। नौ दिवसीय नवरात्रि पर्व के समापन पर आज शहर में श्रद्धा आस्था और उत्साह के साथ माता रानी को बिदाई दी गई। नौ दिनों तक विभिन्न पंडालों में विराजित मां दुर्गा भवानी की प्रतिमाओ का विसर्जन जुलूस आज शहर में निकला जिसमें हजारों की संख्या में भक्त शरीक हुए। तकरीबन 70-75 से अधिक प्रतिमाओं के विसर्जन जुलूस की शुरुवात सयाजी द्वार से हुई और शहर के विभिन्न मार्गों से होकर कालुखेड़ी तालाब पहुंची जहाँ प्रतिमाओं को विसर्जित किया गया। दिन में अचानक आई बरसात के बावजूद लोगों का उत्साह बरकरार रहा।



महिलायें अपनी ताकत को पहचानें और सशक्त बनें : मंत्री श्री पटेल

नरसिंहपुर में शक्ति अभिनंदन अभियान के समापन कार्यक्रम में शामिल हुए

नरसिंहपुर। पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा है कि महिलायें अपनी शक्ति को पहचानें और सशक्त होकर समाज को नई दिशा प्रदान करें। यह उद्बोधन मंत्री श्री पटेल ने नरसिंहपुर के सुभाष पार्क चौराहा कॉम्पलेक्स में मणिनागेन्द्र सिंह फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित नारी शक्ति अभिनंदन अभियान कार्यक्रम के समापन के अवसर आयोजित मेधावी कन्या सम्मान समारोह में दिया। इस अवसर पर लोकसभा सांसद चौ. दर्शन सिंह, पूर्व राज्यसभा सांसद श्री कैलाश सोनी, पूर्व राज्य मंत्री श्री जालम सिंह पटेल, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री अजित जाट, श्री सुनील कोठारी, श्री अजय प्रताप सिंह, महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी, श्रीमती निशा सोनी सहित अन्य विशिष्ट जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में मातृशक्ति मौजूद थीं। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा जिले की मेधावी छात्राओं व खिलाड़ियों को मेडल एवं उपहार देकर सम्मानित किया। विदित है कि पूरे प्रदेश में महिला और बालिका सशक्तिकरण के लिए दो अक्टूबर से 11 अक्टूबर तक शक्ति अभिनंदन अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मंत्री श्री पटेल ने सभी को नवरात्रि पर्व की शुभकामनायें देते हुए कहा कि नवरात्रि के पर्व में शक्ति की उपासना हमारी शक्ति को निखारने का काम करती है। मां नर्मदा का स्वरूप मां का है, यही हमारी ऊर्जा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि वे मध्यम वर्गीय परिवार से आते हैं। परिवार में बेटा हो या बेट्री उसके जीवन में चुनौतियां होती हैं। हमारी प्राचीन परम्परा में नारी को ऊंचा दर्जा प्राप्त है। यह आयोजन इस बात को अहसास कराने के लिए किया गया है कि हम वर्तमान में अपनी मातृशक्ति को किस स्थान पर रखते हैं। मंत्री श्री पटेल ने कार्यक्रम में मौजूद मेधावी कन्याओं से अपने संबोधन में कहा कि यह उम्र ऊर्जा की होती है। यहीं से हमारी उड़ान और यहीं से हमारी गलती की शुरुआत होती है।

प्रेम प्रसंग के चलते महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर उतारा पति को मौत के घाट

देवास/मोहन वर्मा। सुबह तकरीबन 9:30 बजे एमजीएच अस्पताल से सूचना प्राप्त हुई की विश्वास किरकेट्टा नाम के व्यक्ति को घायल अवस्था में उसकी पत्नी कांता किरकेट्टा ने इलाज हेतु भर्ती कराया एवं इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।

मृतक की पत्नी से पूछताछ पर उसने बताया कि बीमा रोड के पास स्थित मैना श्री कॉलोनी में सुबह तकरीबन 8:00 बजे उसके घर पर दो अज्ञात व्यक्तियों ने चोरी करने



समय आज सुबह पांच बजे होने वाली मंगल आरती में वैष्णवों सहित कृष्ण भक्तों ने शामिल होकर आध्यात्मिक लाभ लिया। मंदिर प्रमुख प्रणव दास प्रभु के मार्गदर्शन में उन्होंने भगवान कृष्ण की प्रसन्नता के लिए मंगल आरती और हरिनाम संकीर्तन दोहराया, 24 मिनट चली मंगल आरती के पश्चात भगवान नरसिंह देव आराधना और तुलसी पूजा के पश्चात सभी भक्तों ने सतोगुण समय में सामूहिक महामंत्र जप किया। ठीक सवा सात बजे दर्शन आरती और गुरु पूजा के पश्चात भक्तों ने प्रसादम ग्रहण किया यहां सुबह कार्यक्रम सम्पन्न

हुआ। फिर दोपहर साढ़े ग्यारह बजे से मंदिर में पुनः भजन कीर्तन के साथ रविवारीय कार्यक्रम आरंभ हुआ। जिसमें विजया दशमी के उपलक्ष्य में आज व्यास गादी से प्रणव दास प्रभु ने कृष्ण भक्तों को राम कथा श्रवण कराई, वाल्मीकि रामायण के किष्किन्धाकाण्ड और सुन्दरकाण्ड से प्रभु जी ने उदाहरण देकर भगवान की निस्वार्थ सेवा कैसे की जाती उसे समझाने का प्रयास किया, बताया किस प्रकार बुद्धिमान व्यक्ति अन्य को बोलने का मौका देते, धैर्य पूर्वक सुनकर, कथन का अर्थ ढूंढकर भगवान की सेवा का अवसर तलाशते लेते हैं, इसे

प्रथम पुण्यतिथि पर सरताज सिंह को याद किया..



नर्मदापुरम। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं मध्यप्रदेश शासन में केबिनेट मंत्री रहे बाबू सरताज सिंह की प्रथम पुण्यतिथि पर उनके अनुयायियों ने उन्हें याद किया। इस मौके पर स्थानीय मंगल भवन आईटीआई में एक श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित की गई। कार्यक्रम में हंस राय, दिनेश तिवारी, डॉक्टर अतुल सेठा, प्रदीप उर्फ झुना नागर , धनैद राणे, अतुल नीले, मुकेश नागर, गणेश यादव, डीडी गौर, बद्री प्रसाद केवट, आचार्य अविनाश मिश्रा, संकल्प बधिर विशेष संस्था से कपिलेश करले प्राचार्य अनुलता, श्रीमती मंजू ओंकार ललित ओंकार सहित प्रमुख जन शामिल हुए। कार्यक्रम में उपस्थित सभी स्व सरताज सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की उनके जीवन पर पंडित दिनेश तिवारी ने प्रकाश डाला कहा कि सताज सिंह ने जब वह केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री थे उस समय बच्चों को लग लगाई जाने वाली

वैक्सीन पर होने वाली मूल्य वृद्धि को रोक कर एक विशेष कदम उठाया था। उन्होंने प्रगति के क्षेत्र में कोई भी ऐसा कार्य नहीं रहा जो उन्होंने आगे बढ़कर किया आज उनके द्वारा किए हुए कार्यों को याद किया जाता है। हंसराय ने कहा की सरताज सिंह ने वन मंत्री रहते हुए, वन क्षेत्र में रहने वाली आदिवासी जनजातियों की सहकारी समितियों को वृक्षारोपण लगाकर उनके मालिकाना हक का पट्टा दिया था वे सभी आज बाबूजी को याद करते हैं। नगर के सुसिद्ध डॉक्टर अतुल सेठ ने ने ने कहा कि सरताज सिंह ने अपने जीवन में जो कार्य किए हैं उन सभी से हमें प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। केशव अस्पताल के चिकित्सकों द्वारा इस मौके पर मूक बधिर बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया था उनको फल वितरित किये गए। कार्यक्रम में पधारे सभी सम्मानित अतिथियों और संकल्प बधिर विशेष संस्था नर्मदापुरम के स्टाफ का आभार मुकेश नागर द्वारा किया गया।

मंत्री श्री पटेल शस्त्र पूजन में हुए शामिल

पुलिस लाइन में हुआ शस्त्र-पूजन, गोटेगाँव विधायक, कलेक्टर व एसपी ने भी यज्ञ में आहुतियाँ देकर किया शस्त्र –पूजन



कहा था कि दानवों से लड़ने के लिए महादानव नहीं बनना पड़ता है, बल्कि शक्ति बनना पड़ता है। मंत्री श्री पटेल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि नवरात्रि का पर्व शक्ति की उपासना का पर्व है। यह पर्व इसी बात का संदेश देता है कि शस्त्र पूजन करें और साधना व संयम की पराकाष्ठा को माँने। सामर्थ्यवान होने के बावजूद किसी अन्याय नहीं करें। मेरी यह व्यक्तिगत राय है कि शस्त्र पूजन समाज के मूल्यों एवं धर्म की रक्षा के लिए किया जाता है इसलिए शस्त्र रखने वालों को इस साधना की जरूरत है, ताकि वह मर्यादित होकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकें। समाज में ईमानदार रहेंहमारा संविधान हमें मर्यादा में रहने की सीख देता है। मेरे गुरु परम पूज्य श्री श्री बाबा श्री जी ने

है किन्तु पराजित नहीं हो सकता है। आज के इस आयोजन के लिए सभी को धन्यवाद। हम जानते हैं कि बुवाई पर अच्छई की जीत हमेशा होती है। प्रदेश सरकार द्वारा इस वर्ष का दशहरा पर्व महिला सशक्तिकरण और सुशासन की प्रतीक लोकमाता देवी अहिल्याबाई को समर्पित किया गया है। कलेक्टर श्रीमती पटले ने कहा कि प्रशासनिक व्यवस्था का हिस्सा होने के नाते यही मंशा होती है कि हम नियम एवं क़ानून से अपने कर्तव्यों एवं जिम्मेदारी का निर्वाह बख़ूबी कर पाए। क़ानून की आवश्यकता हमें तब होती है जब कोई अपने शक्ति से किसी व्यक्ति के अधिकारों का हनन करता है। इस दिशा में पुलिस की अहम भूमिका होती है। हम यह ध्यान रखें कि हमारा संविधान सर्वोपरि है। आप सभी जिलेवासियों को दशहरे पर्व की शुभकामनाएँ। पुलिस अधीक्षक श्रीमती डेका ने कहा कि हम यह पूजा इसलिए कर रहे हैं, ताकि समाज की बुवाई को ख़ुस कर सकें। पुलिस परिवार के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में पहली बार मंत्री एवं विशिष्ट अतिथियों का आगमन हुआ है यह हमारे लिए खुशी की बात है। प्रकृति में अच्छई और बुराई दोनों होती है। बुराई को मिटाने के लिए हमें अपनी शक्ति का उपयोग करना होता है।

बेहोश हो गई और दोनों अज्ञात व्यक्ति चोरी के सामान और मोबाइल लेकर के भाग गए।

होश आने के बाद कांता पड़ोस में रहने वाले अपने मामा को बुलाकर लाई और अपने पति को अस्पताल लेकर गई जहाँ इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। मर्ग पंजीबद करने के बाद जांच पश्चात अपराध पंजीबद्ध किया गया घटनास्थल का पर फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट द्वारा चांस प्रिंट लिए गए व स्प्रिफर डांग को मदद से भी कुछ ट्रेल प्राप्त हुई मृतक की पत्नी द्वारा बताई

गई घटना एवं घटनास्थल निरीक्षण करने के पश्चात फुरियादी की बातों में विरोधाभास प्रतीत हुआ एवं और अधिक गहराई से जांच की गई तकनीकी अनुसंधान के साथ-साथ आसपास के सीसीटीवी कैमरे देखे गए व आसपास के लोगों से पूछताछ की गई ,पुलिस द्वारा जब हिसमत अमली से मृतक की पत्नी से पूछताछ की तो उसके द्वारा अपने प्रेमी रूपक चौधरी और उसके साथी मित्र के साथ अपराध करना कबूल किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के विशेष प्रयास म.प्र. बने देश का प्रमुख औद्योगिक केन्द्र

महानगरों में रोड-शो और प्रदेश में आरआईसी से बना निवेश का माहौल

फरवरी-2025 में होने वाली जीआईएस में दिखेगा इसका प्रभावी असर

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश तेजी से देश का एक प्रमुख औद्योगिक और निवेश स्थल बनने जा रहा है। हमारी निवेशक-अनुकूल नीतियों, विशाल औद्योगिक बुनियादी ढांचे और विभिन्न राज्यों से सम्पर्क की स्थिति से देश-विदेश के निवेशक मध्यप्रदेश में निवेश के लिये तैयार हुए हैं। राज्य सरकार की सक्रिय पहल, औद्योगिक विकास को गति देने वाली योजनाएँ और निवेशकों को आकर्षित करने सिंगल-विंडो सिस्टम जैसी सुविधाओं से प्रदेश को एक महत्वपूर्ण आर्थिक केंद्र के रूप में स्थापित करने की पहल हुई है। इस दिशा में राज्य सरकार द्वारा विशेष प्रयास कर देश के महानगरों में रोड-शो और प्रदेश में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव की जा रही हैं। इनमें उद्योगपतियों से हो रहे निरन्तर सम्पर्क से प्रदेश में निवेश का माहौल बन चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमने वर्ष-2025 को उद्योग वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। इसमें प्रमुख रूप से माह फरवरी 2025 में दो दिवसीय ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट भोपाल में होने जा रही है।

इंडस्ट्रियल इकोसिस्टम, निवेशकों के लिए अनंत सभावनाएं- मध्यप्रदेश का औद्योगिक विकास सरकारी की दूरदर्शी योजनाओं और नवीन बुनियादी ढांचे के विस्तार



का परिणाम है। राज्य का 1.25 लाख एकड़ में फैला विशाल औद्योगिक भूमि बैंक, 112 विकसित औद्योगिक क्षेत्र और 14 नए ग्रीनफील्ड औद्योगिक क्षेत्रों के प्रस्ताव ने निवेशकों को आकर्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यहाँ टेक्सटाइल, फार्मा, खाद्य प्र-संस्करण, ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे बहु-क्षेत्रीय औद्योगिक क्लस्टरस ने राज्य को निवेश के लिए एक समृद्ध स्थान बना दिया है। साथ ही राज्य के 7 स्मार्ट शहरों की परियोजना ने इसे डिजिटल और औद्योगिक प्रगति के मामले में और भी आकर्षक बना दिया है।

प्रदेश में औद्योगीकरण के लिए आवश्यक इकोसिस्टम उपलब्ध है। उद्योगों के लिए राज्य में पर्याप्त बैंड बैंक की उपलब्धता है और औद्योगिक प्रयोजन के लिए प्रदेश में 1.25 लाख एकड़ से भी अधिक का बैंड बैंक उपलब्ध है। राज्य

शासन द्वारा सेक्टर-फोकस्ड औद्योगिक क्षेत्र भी बनाये गए हैं। भोपाल एवं इंदौर में महिला उद्यमियों के लिए डेडिकेटेड पार्क स्थापित किये गए हैं।

राज्य में तकनीकी, प्रबंधन एवं चिकित्सा क्षेत्र एवं रिस्कल डेवलपमेंट के लिये कई उत्कृष्ट कॉलेज हैं, जिसके कारण सभी क्षेत्रों के उद्योगों के लिए पर्याप्त संख्या में स्किलड वर्क फोर्स की उपलब्धता है। पिछले दो दशकों में राज्य में उद्योगों के माध्यम से 41 लाख नवीन रोजगार के अवसर उत्पन्न हुए हैं एवं राज्य का अनप्लॉयमेंट रेट काफी कम है।

राज्य शासन द्वारा बुनियादी ढाँचे का निर्माण जैसे औद्योगिक क्षेत्र, सड़क, जल आपूर्ति, सिंचाई और 24X7 बिजली आपूर्ति इत्यादि जरूरतों पर खासा ध्यान दिया गया है। राज्य शासन द्वारा पिछले दशक के दौरान

इन्फ्रास्ट्रक्चर को विश्वस्तरीय बनाने के लिये करीब 1.10 लाख करोड़ रूपये खर्च किये गये हैं। इसके फलस्वरूप पिछले दशक के दौरान मध्यप्रदेश में आर्थिक एवं सामाजिक विकास के रूप में सकारात्मक परिवर्तन देखा गया है।

कनेक्टिविटी एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर औद्योगिक विकास के लिये महत्वपूर्ण पैमाना है। इसको ध्यान में रखते हुये राज्य शासन अटल प्रगति पथ (चंबल प्रोग्रेस-वे) पर नवीन औद्योगिक क्षेत्र विकसित कर रहा है, जिसके लिये भूमि का चिन्हांकन किया जा चुका है। साथ ही नर्मदा एक्सप्रेस-वे क्षेत्र में भी औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने के लिये भूमि का चिन्हांकन एवं लैंपड ट्रांसफर प्रक्रियाधीन है। राज्य में विभिन्न सेक्टरों की 350 से अधिक नुहद इकाइयां एवं 26 लाख से अधिक MSME इकाइयां स्थापित हैं एवं पिछले दशक में इसमें काफी तेजी आई है।

राज्य में 314 से अधिक इंडस्ट्रियल एरियाज हैं। इसके अतिरिक्त राज्य शासन द्वारा क्षेत्र विशिष्ट औद्योगिक क्षेत्र भी बनाये गए हैं। राज्य में 10 फूड पार्क, 5 आईटी स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन, 2 स्पाइस पार्क, 2 प्लास्टिक पार्क, एक मेडिकल ड्रग्स पार्क है, एक पावर इंड्रिपमेंट मैन्युफैक्चरिंग ज़ोन है। राज्य शासन द्वारा EV पार्क, फार्मा पार्क, टेक्सटाइल पार्क, गारमेंट यूनिट्स के लिए प्लग एंड प्ले ज़ोन, सेमीकंडक्टर पार्क एवं नवीन आईटी पार्क स्थापित किये जा रहे हैं। राज्य में मेगा इकाइयों को कस्टमाइस्ड ईंसेंटिव पैकेज की सुविधा भी दी जाती है।

रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के पहले 6 महीने में शुरू होंगे रु 2411 करोड़ के 2 प्रोजेक्ट

रीवा को एयरपोर्ट की सौगात

21 अक्टूबर को पीएम मोदी बनारस से करेंगे वर्चुअली

लोकार्पण, प्रदेश को मिलेगा छठा एयरपोर्ट

भोपाल (नप्र)। रीवा में 23 अक्टूबर को होने वाली रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के पहले संभाग के नागरिकों को एयरपोर्ट की सौगात मिलेगी। पीएम नरेंद्र मोदी वर्चुअली इस एयरपोर्ट की सौगात मध्यप्रदेश के लोगों को देंगे। इसके लोकार्पण के बाद एम्पी में 72 सीटर हवाई जहाज उतरने की व्यवस्था शुरू हो जाएगी।



मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और उनकी कैबिनेट के अधिकांश मंत्री 23 अक्टूबर को रीवा में रहेंगे। इसके पहले रीवा विधायक और डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल के प्रयासों से रीवा में एयरपोर्ट बनाने का काम पूरा होने पर रीवा को नए एयरपोर्ट की सौगात दी जाएगी। जानकारी के मुताबिक नवनिर्मित रीवा एयरपोर्ट का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 अक्टूबर को बनारस से वर्चुअली लोकार्पण करेंगे। मुख्य समारोह रीवा एयरपोर्ट परिसर में होगा।

ये रहेंगे कार्यक्रम में मौजूद

समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केन्द्रीय मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री भी शामिल होंगे। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा एयरपोर्ट में कार्यक्रम स्थल का भ्रमण कर लोकार्पण की तैयारियों का जायजा लिया और बैठक भी की है। एयरपोर्ट में हुई बैठक में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा एयरपोर्ट विन्ध्य के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। रीवा एयरपोर्ट विन्ध्य के विकास के लिए बड़ा कदम साबित होगा।। अब रीवा में 72 सीटर हवाई जहाज उतरने की सुविधा उपलब्ध हो जायेगी। इससे पूरे क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही मेडिकल, इंजीनियरिंग, शिक्षा, व्यापार तथा उद्योगों में तेजी आयेगी। उन्होंने लोकार्पण समारोह के लिए सभी तैयारियां तय समय सीमा में पूरी करने को कहा है।

अब तक पांच एयरपोर्ट, रीवा में

होगा छठावां हवाई अड्डा

इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, खजुराहो में अभी एयरपोर्ट हैं। इसके बाद अब रीवा में प्रदेश का छठा एयरपोर्ट शुरू होने वाला है। राज्य सरकार अब आने वाले सालों में दतिया, उज्जैन, शिवपुरी, गुना, सतना की हवाई पट्टियों को एयरपोर्ट के रूप में विकसित करने की तैयारी कर रही है। दतिया को हवाई अड्डा बनाने की घोषणा पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में की गई थी। इसके अलावा प्रदेश के 31 जिलों में हवाई पट्टियां हैं जहां छोटे विमान उतारे जा सकते हैं।

एयरपोर्ट बनाने डेढ़ साल

पहले हुई थी शुरुआत

- रीवा एयरपोर्ट के विस्तार के लिए 290 एकड़ जमीन खरीदी जा रही है। इसमें से 137 एकड़ जमीन वीएफआर संचालन के लिए और 153 एकड़ जमीन आईएफआर संचालन के लिए जरूरी है।
- परियोजना में रनवे पट्टी की ग्रींडिंग करना, मौजूदा 1400 मीटर लंबे रनवे को मजबूत करना और 750 वर्ग मीटर का टर्मिनल बनाना शामिल है।
- एयरपोर्ट के विस्तार की कुल लागत 288 करोड़ रुपए है।
- एयरपोर्ट के विस्तार का शिलान्यास 15 फरवरी 2023 को पूर्व केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किया था।



भोपाल (नप्र)। नेशनल हाईवे

अर्थांरिटी ऑफ इंडिया भोपाल में डेवलपमेंट के दो बड़े प्रोजेक्ट अगले 6 महीने में शुरू कर देगा। ये प्रोजेक्ट 2411 करोड़ रुपए के हैं। 4 लेन अयोध्या बाइपास को 6 लेन में बदला जाएगा, जबकि रत्नागिरी से मोरीकोड़ी (विदिशा) रोड फोरलेन बनेगा। इनके टेंडर खुल चुके हैं। अगले साल अप्रैल से काम शुरू होने की उम्मीद है।

केंद्र सरकार ने अयोध्या बाइपास सिक्सलेन को 8 महीने पहले मंजूरी दी थी। इसके बाद से ही एनएचआई टेंडर समेत अन्य प्रोसेस में जुटा है। नवंबर-दिसंबर तक अर्वाॉ भी हो सकता है।

एयरपोर्ट-रेलवे स्टेशन से

कनेक्टिविटी बेहतर होगी-

सिंधिया चौराहे से रत्नागिरी तिराहा तक 16.43 किमी लंबे मौजूदा 4 लेन बाइपास को 6 लेन किया जाएगा। इसमें कुल 1315.25 करोड़ रुपए खर्च होंगे। एनएच-46 के 6 लेन बनने के बाद एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन से कनेक्टिविटी और बेहतर हो जाएगी। वहीं, इस प्रोजेक्ट में कुल 8 फ्लाईओवर और 1 एलीवेटेड कोरिडोर भी बनेंगे।

भोपाल का दूसरा सिक्सलेन

होगा- भोपाल का यह दूसरा सिक्सलेन होगा, जिसका काम या तो चल रहा है या फिर अगले कुछ महीनों में शुरू हो जाएगा। पहला 15.10 किलोमीटर लंबा सिक्सलेन कोलार में बनाया जा रहा है।

8 फ्लाईओवर-1 एलीवेटेड

कोरिडोर भी बनेंगे- इस प्रोजेक्ट में सिक्सलेन के साथ पेव्ड शोल्डर भी शामिल हैं। 8 फ्लाईओवर और एक रेलवे ओवरब्रिज यानी आरओबी भी बनेगा। कुल 58 जंक्शन होंगे। 3 वाइडकट, 70 शैल्टर, 32 कल्वर्ट बनाए जाएंगे।

विदिशा रोड फोरलेन में

तब्दील होगा- भोपाल के रत्नागिरी चौराहे से विदिशा के मोरीकोड़ी तक एनएच-146 को फोरलेन में तब्दील किया जाएगा। यह कुल 42.02 किमी लंबा होगा। जिसमें कुल 1096 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। अभी यह टूटने है। फोरलेन बनने से हर रोज लाखों लोगों को फायदा मिलेगा।

आग में फंसे परिवार का साड़ी से बांधकर रेस्क्यू

तीसरे फ्लोर पर फंसे थे 5 बच्चों समेत 9 लोग ; 10 दमकलों ने पाया काबू

भोपाल (नप्र)। भोपाल के करोंद इलाके की तीन मंजिला बिल्डिंग में शनिवार-रविवार की दरमियानी रात 3 बजे आग लग गई। थर्ड फ्लोर पर सो रहा एक परिवार लपटों में फंस गया। आग इतनी भीषण थी कि नीचे उतरने का कोई रास्ता नहीं बचा। इसके चलते दीवार पर करीब 30 फीट लंबी सीढ़ी लगा साड़ी से बांधकर 9 लोगों को रेस्क्यू किया गया। इनमें एक बुजुर्ग और 5 बच्चे थे।

घटना करोंद में हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी की है। तीन मंजिला बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर पर मंजूर खान का कबाड़ गोदाम है। आग इसी गोदाम से शुरू हुई और कुछ ही मिनटों में तीसरी मंजिल तक पहुंच गई। पड़ोसियों के फोन करने पर फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया।

फायर फाइटर पंकज यादव ने बताया, बिल्डिंग के थर्ड फ्लोर पर जाने का रास्ता आग से घिरा था। ऐसे में परिवार का हाई रेस्क्यू करने का निर्णय लिया गया। करीब 30 फीट ऊपर तक जाने के लिए दमकल की सीढ़ियों को लगाया गया। इसके बाद निशातपुरा थाने के आरक्षक योगेश सिंह इसी सीढ़ी पर चढ़कर छत पर पहुंचे और परिवार के सदस्यों को बाहर निकाला।फिर पड़ोसी जिम संचालक मो. रजी ने एक के बाद एक लोगों को साड़ी से अपने शरीर से बांधा और सीढ़ियों से उतारा।



बिल्डिंग में 60 साल के बुजुर्ग, 5 बच्चे फंसे थे

पंकज यादव ने बताया कि बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर पर गोदाम चलाने वाले मंजूर खान का ही परिवार थर्ड फ्लोर पर रहता है। आग की वजह से 60 वर्षीय इकराम खान, हीना, शाहीन बी, हुमैरा बी समेत 12 साल का अफ्रान, 8 साल का सादिल, 5 साल की जुनरा, 4 साल का यामीन और 6 महीने की हालिमा ऊपरी मंजिल पर फंसे थे।इकराम दिव्यंग है। सबसे पहले उन्हीं को नीचे उतारा गया। इसके बाद बाकी सदस्यों को निकाला।

10 से ज्यादा दमकल-टैंकरों ने 2 घंटे में आग पर काबू पाया

करोंद इलाके की तीन मंजिला बिल्डिंग में आग लगने की जानकारी मिलते ही पुल बोगदा, फतेहगढ़, छेला और गांधीनगर से 10 से अधिक दमकलें और पानी के टैंकर मौके पर पहुंचे। करीब दो घंटे की मशकत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। इस दौरान पूरे इलाके की बिजली बंद कर दी गई थी।

आग लगने की वजह सामने नहीं आई

तीन मंजिला मकान के गोदाम में आग कैसे लगी, इसकी पुष्टि फिलहाल नहीं हो पाई है। प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट को इसकी वजह माना जा रहा है। पटाखों की चिंगारी से भी आग लगने का भी अंदेशा जताया गया है।

कहीं-सुनी

रवि भोई

(लेखक पत्रिका समवेत सुजन के प्रबंध संपादक और स्वतंत्र पत्रकार हैं।)



कहते हैं निगम-मंडलों में नियुक्ति की आस में अब भाजपा के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं के चेहरे मुरझाने लगे हैं। राज्य में करीब तीन दर्जन निगम-मंडल हैं। पिछले दिनों एक-दो आयोग में अध्यक्ष की नियुक्ति से दावेदारों के चेहरे खिले थे और उम्मीद जगी थी कि नवरात्रि में उनकी किस्मत चमकेगी,पर नवरात्रि बीत जाने के बाद भी निगम-मंडल और आयोगों में नियुक्ति की कतार नहीं लगी। चर्चा है कि प्रदेश उपाध्यक्ष स्तर के एक-दो पदाधिकारियों को सदस्य का झुनझुना पकड़ा देने से वरिष्ठों का उत्साह काफूर हो गया है। बताते हैं कुछ नेता और कार्यकर्ता तो अब गुस्से में आ गए हैं और कहने लगे हैं निगम-मंडल और आयोग में नियुक्ति करना है तो ठीक नहीं तो ठीक। यही हाल मंत्रिमंडल विस्तार का भी है। रह-रहकर कैबिनेट विस्तार की हवा चलती है और फिर बंद हो जाती है। बताते हैं विस्तार की हवा बहना बंद होने से मंत्री पद के दावेदार विधायकों की नींद उड़ जाती है।

साय के राज में सुपर सीएम की तलाश

छत्तीसगढ़ में डॉ रमन सिंह की सरकार में अमन सिंह को सुपर सीएम कहा जाता था तो भूपेश बघेल की सरकार में सौम्या कौशिक थी। अमन सिंह भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारी थे। सौम्या चौरसिया डिप्टी

कलेक्टर थी। मुख्यमंत्री सचिवालय वरिष्ठ और कनिष्ठ आईएएस अफसरों के होने के बाद भी रमन सरकार में अमन सिंह का और भूपेश सरकार में सौम्या चौरसिया का अलग ही दबदबा था। विष्णु देव साय की सरकार में आईएसएस पी. दयानंद, आईपीएस राहुल भगत, आईएसएस बसवराजू एस मुख्यमंत्री के सचिव हैं, तो उमेश कुमार अग्रवाल, डॉ. सुभाष राज, हितेश बघेल समेत कई ओएसडी भी हैं। साय सरकार में अब तक किसी अफसर के भारी पावरफुल होने की खबर नहीं आई है, ऐसे में लोग विष्णुदेव साय की सरकार में भी सुपर सीएम की तलाश में लग गए हैं। कहते हैं राहुल भगत और उमेश अग्रवाल विष्णुदेव साय के साथ पहले भी काम कर चुके हैं। साय जब केंद्रीय राज्य मंत्री थे, तब राहुल भगत उनके सचिव थे।

‘चर्चा’ वाले मंत्री और सचिव

इन दिनों छत्तीसगढ़ में हर फाइल में ‘चर्चा’ लिखने वाले एक मंत्री जी और उनके सचिव की बड़ी चर्चा है। कहते हैं मंत्री महोदय फाइलों को सीधे-सीधे निपटाने की जगह हर फाइल में चर्चा लिख देते हैं। खबर है कि यही हाल उनके विभाग के सचिव साहब का भी है। वे भी नीचे के अफसरों से चर्चा किए बिना फाइल ऊपर भेजते नहीं हैं। ‘चर्चा’ के फेर में फाइलें अटक रही हैं। मजेदार बात है, मंत्री जी पहली बार सरकार में शामिल हुए हैं और सचिव महोदय भी पहली बार स्वतंत्र रूप से विभाग चला रहे हैं। मंत्री जी और सचिव महोदय दोनों ही नए जमाने के हैं, फिर ‘चर्चा’ का ब्रेक क्यों लगाते हैं,

लोगों को समझ नहीं आ रहा है। चर्चा के चक्कर में लोगों को अपने काम के लिए ज्यादा चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, विभाग के अधिकारी और कर्मचारी भी माथा पकड़ने लगे हैं। लोग कहने लगे हैं अनुभव का मुकाबला नहीं है।

रायपुर दक्षिण के लिए भाजपा

नेताओं की रेस

कहते हैं कांट-छाँट के बाद रायपुर दक्षिण की टिकट के लिए भाजपा के दो नेताओं में जबर्दस्त संघर्ष की स्थिति है। कहा जा रहा है कि इन दो नेताओं में से किसी एक को पार्टी रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट से उपचुनाव लड़ा सकती है। खबर है कि टिकट के लिए भाजपा के जिन दो नेताओं में संघर्ष की स्थिति बनी हुई है, उनमें एक सांसद बृजमोहन अग्रवाल के समर्थक हैं तो दूसरे नेता को संगठन का समर्थन है। वैसे इन दो नेताओं के नाम टॉप पर चलने के बाद भी दूसरे दावेदार हठाश नहीं हुए हैं। दो-तीन लोग तो वरदहस्त के बिना ही दौड़ में बने हैं। माना जा रहा है कि महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव के साथ रायपुर दक्षिण विधानसभा में उपचुनाव हो जाएगा। उम्मीद की जा रही है कि यहां उपचुनाव की घोषणा अगले हफ्ते तक हो जाएगी।

‘दलाली’ में मस्त ई.ई. साहब

कहते हैं राजधानी में सिंचाई विभाग में पदस्थ एक कार्यपालन अभियंता (ई. ई.) परियोजनाओं और सिंचाई सुविधाओं के विकास को छोड़कर ‘दलाली’ में लगे रहते हैं। कहा जा रहा कि ई.ई. साहब को

‘दलाली’ का खून लग गया है। चर्चा है कि कांग्रेस की सरकार में भी ई.ई. साहब ‘दलाली’ में मशगूल रहते थे, भाजपा की सरकार में भी वही कर रहे हैं। खबर है कि ई.ई. साहब ने ‘दलाली’ के काम को अंजाम देने के लिए एक अलग ठिकाना भी बना रखा है। इस कारण ई.ई. साहब सरकारी दफ्तर में कम और ठिकाने में ज्यादा पाए जाते हैं। हवा है कि ई.ई. साहब सिंचाई विभाग में ट्रांसफर-पोस्टिंग से लेकर ठेकों में भी जोर लगाते हैं।

क्या छत्तीसगढ़ को भूल गए कांग्रेस के राज्यसभा सांसद ?

छत्तीसगढ़ के पांच राज्यसभा सांसदों में चार कांग्रेस के हैं। फूलोदेवी नेताम को छोड़कर तीन अन्य राजीव शुक्ला, के टी एस तुलसी और रंजीत रंजन का छत्तीसगढ़ से सीधा संबंध नहीं है। छत्तीसगढ़ के कोटे से ये राज्यसभा पहुंच गए हैं। कहते हैं गाह-बगाह रंजीत रंजन के छत्तीसगढ़ आने की खबर यहां के लोगों को मिल जाती है, पर राजीव शुक्ला और के टी एस तुलसी का आगमन ही नहीं हो रहा है। राज्य में कांग्रेस की सरकार रहते तक तो सांसदों का आना-जाना लगा रहा। सरकार के जाने के साथ शायद वे छत्तीसगढ़ को भूल गए। कुछ साल पहले तक शंकर नगर रोड़ में के टी एस तुलसी का बोर्ड दिखता था। अब वह भी नजर नहीं आता। लोग सवाल उठा रहे हैं कि सांसद राज्य का दौरा ही नहीं करेंगे तो यहां की समस्याओं से कैसे अवगत होंगे और यहां की जनता की बात संसद में कैसे उठाएंगे ?

सकते में छत्तीसगढ़ के पुलिस अफसर

महादेव सद्गु मामले में कर्ताधर्ता सौरभ चंद्राकर की गिरफ्तारी से छत्तीसगढ़ के कई राजनैता,पुलिस अधिकारी और कर्मचारी सकते में बताए जाते हैं। सरकार महादेव सद्गु की जांच सीबीआई के हवाले कर दी है। महादेव सद्गु मामले में राज्य के कई नेताओं और पुलिस अफसरों के नाम सामने आए हैं। कहते हैं सौरभ चंद्राकर अभी इंटरपोल के कब्जे में है। इंटरपोल उसे भारतीय पुलिस के सुपुर्द करेगा। इसके बाद आगे की कार्रवाई बढ़ेगी। कहा जा रहा है कि सौरभ चंद्राकर के बयान पर कई नेताओं और अफसरों का भविष्य टिका है।

निजी विवि विनियामक आयोग के अध्यक्ष के लिए दौड़

छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अध्यक्ष के पद के लिए एक दर्जन से अधिक दावेदार बताए जाते हैं। कहते हैं कि अध्यक्ष पद के लिए तीन-चार रिटायर्ड कुलपति ने भी आवेदन किया है। कुछ रिटायर्ड प्राचार्य भी दौड़ में हैं। आयोग के अध्यक्ष की नियुक्ति राज्यपाल को करनी है। इसके लिए सरकार प्रस्ताव भेजती है। आयोग के अध्यक्ष के पद पर शिक्षाविद को ही नियुक्त किए जाने का प्रावधान है, इस कारण इस पद के लिए रिटायर्ड कुलपति और प्राचार्यों की कतार लग गई है।